हिन्दी दैनिक
लखनऊ जंक्शन
RNI NO.-UPHIN/2015/64743 Email-lkojunction@gmail.com
वर्ष: 11 अंक: 104 लखनऊ, शनिवार 29 नवंबर 2025 पृष्ठ: 04 मूल्य: 01 रूपये

एक सशक्त व्यक्ति अनेक सशक्त व समृध्द व्यक्तियों का कर सकता है निर्माण : राष्ट्रपति

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की डायमंड जुबली तथा 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने युवा शक्ति का किया आह्वान

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा : देश के भविष्य निर्माता ही नहीं, परंपरा के संरक्षक भी हैं युवा

आप सभी प्रतिभा व कौशल का देश के विकास के लिए करें इस्तेमाल : राष्ट्रपति

राष्ट्रपति मुर्मु के अनुसार, प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ ही सहयोग की भावना भी राष्ट्र व समाज के उत्थान के लिए अनिवार्य

लखनऊ ब्यूरो

लखनऊ। भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की डायमंड जुबली तथा 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के समापन समारोह में शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने युवा शक्ति का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि सभी युवा प्रकृति के साथी होने के स्काउट्स एंड गाइड्स के सिद्धांत को अपनाएं और आगे बढ़ें तो हमारी धरती हरी–भरी और खुशहाल बनेगी। उन्होंने कहा कि आप देश के भविष्य निर्माता ही नहीं, बल्कि इसकी भव्यता और महान संस्कृति की परंपरा के संरक्षक भी हैं। जिस प्रकार एक दीपक से अनेक दीपक जलाए जा सकते हैं, उसी प्रकार एक सशक्त, समृद्ध और संवेदनशील व्यक्ति अनेक व्यक्तियों को सशक्त और समृद्ध बना सकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आप सभी अपनी प्रतिभा और कौशल को देश के विकास के लिए लगाएंगे।

प्रतिस्पर्धा के जरिए मजबूत होती है टीम भावना

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि जम्बूरी में देशभर के 35 हजार से अधिक युवा भाग ले रहे हैं और 25 देशों के 2 हजार स्काउट्स एंड गाइड्स भी उपस्थित हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि इस अवसर का उपयोग एक–दूसरे को जानने–समझने के लिए करें और अपने अनुभव तथा सपने आपस में साझा करें। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि जम्बूरी के दौरान अनेक प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन हुआ, जिनसे नई सीख मिलती है और टीम भावना मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ सहयोग की भावना भी राष्ट्र और समाज के उत्थान के लिए अनिवार्य है।

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के प्रयासों को सराहा

राष्ट्रपति मुर्मु ने बताया कि आज भारत में 63 लाख से अधिक स्काउट्स एंड गाइड्स हैं और यह विश्व के सबसे बड़े संगठनों में से एक है। इस संगठन में गाइड यानी छात्राओं

की संख्या 25 लाख से अधिक है, जो उल्लेखनीय उपलब्धि है। उन्होंने उन बेटियों को बधाई दी जिन्होंने समाज और मानवता के कल्याण के लिए अनुशासन, समर्पण और निरंतर प्रगति के मार्ग को अपनाया है। उन्होंने कहा कि स्काउट्स एंड गाइड्स लंबे समय से युवाओं को सही दिशा देने, उन्हें अनुशासित बनाने और राष्ट्र निर्माण में प्रेरित करने का कार्य कर रहे हैं।

सेवा भाव है स्काउट्स एंड गाइड्स की सबसे बड़ी विशेषता

राष्ट्रपति मुर्मु के अनुसार, स्काउट्स एंड गाइड्स की सबसे बड़ी विशेषता सेवा का भाव है। चाहे भूकंप आए या महामारी फैले, स्काउट्स एंड गाइड्स सबसे पहले सहायता के लिए आगे आते हैं। संगठन की एक और विशेषता राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देना है। विभिन्न राज्यों, धर्मों और संस्कृतियों से आने वाले युवा जब साथ प्रशिक्षण लेते हैं, तो उनमें आपसी सम्मान, भाईचारा और टीमवर्क की भावना प्रबल होती है। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि समय के साथ यह संगठन जीवन कौशल, नेतृत्व, पर्यावरण जागरूकता और व्यक्तित्व विकास जैसे क्षेत्रों पर ध्यान देकर स्वयं को आधुनिक बना रहा है।

सशक्त युवा पीढ़ी तैयार कर रहा संगठन

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि यह संगठन ऐसी युवा पीढ़ी तैयार कर रहा है जो सशक्त, संवेदनशील और देश के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। युवाओं के सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने की प्रतिबद्धता ही देश की प्रगति का आधार है। उन्होंने कहा कि भारत अपनी विकास यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव पर है और वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य तभी संभव है जब हमारी अधिकांश युवा आबादी इसे प्राप्त करने के लिए दृढ़ता से प्रयास करे। उन्होंने कहा कि युवाओं को उचित मंच उपलब्ध कराने के लिए सरकार अनेक प्रयास कर रही है जिनमें श्मेरा युवाश जैसी पहल महत्वपूर्ण है। यह पहल युवाओं को सशक्त बनाने और उनकी ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण की दिशा में लगाने के लिए समर्पित है।

भविष्य में आने वाली चुनौतियों के लिए रहें तैयार

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि स्काउट्स एंड गाइड्स का आदर्श वाक्य है–तैयार रहो।

इसका अर्थ है कि आपको भविष्य की चुनौतियों का साहस और आत्मविश्वास के साथ सामना करने के लिए तैयार रहना होगा। इसके लिए आवश्यक है कि आप में संवाद क्षमता, टीम समन्वय, समस्या समाधान और नेतृत्व जैसे कौशल विकसित हों। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर भी जोर दिया और कहा कि पर्यावरण–अनुकूल आदतों को जीवन में अपनाकर ही इस वैश्विक समस्या से निपटा जा सकता है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस जम्बूरी को 'हरित जम्बूरी' के रूप में आयोजित किया जा रहा है, जहां वेस्ट सेग्रिगेशन और प्लास्टिक–मुक्त परिसर जैसे कदम लागू किए गए हैं। अंत में उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए राज्यपाल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और आयोजकों को बधाई दी।

सेवा से ही नया भारत लेगा आकार : राज्यपाल

कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि जम्बूरी में आना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि उद्घाटन और समापन दोनों सत्रों में प्रतिभागियों के कौशल को देखने का अवसर मिला। राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में जम्बूरी के माध्यम से वर्षों से करोड़ों छात्रदृछात्राओं को लाभान्वित करने वाले अवॉर्डियों को सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि 61 वर्ष बाद उत्तर प्रदेश में आयोजित जम्बूरी ने स्वावलंबी, स्वदेशी, स्वच्छ और विकसित भारत की भावना को साकार किया है। युवाओं को देश का वर्तमान और भविष्य बताते हुए राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी युवा शक्ति को राष्ट्र शक्ति मानते हैं क्योंकि युवा ऊर्जा और सकारात्मक सोच राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में स्काउटिंग और गाइडिंग केवल कौशल ही नहीं, बल्कि करुणा, निष्ठा, साहस और मानवता जैसे मूल्यों का कवच भी प्रदान करती है। इन्हीं मूल्यों को जम्बूरी ने पुनः स्थापित किया है। राज्यपाल ने स्काउट्स और गाइड्स से आग्रह किया कि वे यहां मिली सीख को जीवन में उतारें और समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनें क्योंकि भारतीयता का मूल भाव सेवा ही है और यही भारत की आत्मा है जिससे नया भारत आकार लेगा।

मिजोरम के मुख्यमंत्री भी रहे कार्यक्रम में उपस्थित

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की डायमंड जुबिली तथा 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के समापन समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मिजोरम के मुख्यमंत्री पी. लालदुहोमा, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जैन, प्रादेशिक अध्यक्ष (उत्तर प्रदेश) महेंद्र सिंह, मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त के. के. खंडेलवाल, राज्य मुख्य आयुक्त प्रभात कुमार तथा देश के विभिन्न राज्यों से आए भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के पदाधिकारी, व्यवस्थापक और स्काउट्स–गाइड्स उपस्थित रहे। राष्ट्रपति मुर्मु ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की भूमिका का निर्वहन करते हुए स्मारिका का भी विमोचन किया। वहीं, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने जंबूरी पत्रिका का विमोचन करते हुए पहली प्रति राष्ट्रपति को प्रदान की। सभी अतिथियों को स्कार्फ व प्रतीक चिह्न देकर सम्मान किया गया। इस दौरान स्काउट्स व गाइड्स द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी अतिथियों ने आनंद लिया, जिसमें विभिन्न राज्यों से आए स्काउट्स व गाइड्स ने गतका समेत कई प्रकार के कौशलों का प्रदर्शन किया। इससे पूर्व, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मार्च पास्ट की सलामी ली तथा विभिन्न राज्यों से आए स्काउट्स एंड गाइड्स का उत्साहवर्धन किया।

कर्नाटक मुख्यमंत्री विवाद: एनडीए के नेताओं ने कसा तंज, कहा- कांग्रेस को लोगों की परवाह नहीं, सिर्फ कुर्सी की चिंता है

एजेंसी

पटना। कर्नाटक कांग्रेस में मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए खींचतान पर एनडीए के नेताओं ने कटाक्ष किया है और कहा कि उन्हें लोगों की परवाह नहीं है, उन्हें सिर्फ अपनी कुर्सी की चिंता है। कर्नाटक के हालात पर बिहार के

मंत्री राम कृपाल यादव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, गलती से कांग्रेस पार्टी सत्ता में आ गई, लोगों ने गलती से उन्हें सीटें दे दीं। मुख्यमंत्री (सिद्धारमैया) और उपमुख्यमंत्री (डीके शिवकुमार) के बीच की स्थिति सबको दिख रही है। उन्हें लोगों की परवाह नहीं है।ष्उन्होंने सवाल उठाया कि जब इन लोगों (मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री) के बीच तालमेल नहीं है तो जनता की क्या सेवा करेंगे? राम कृपाल यादव ने कहा कि अगली बार कर्नाटक के चुनावों में कांग्रेस पार्टी साफ हो जाएगी। बिहार के मंत्री नितिन नबीन ने कहा, जो पार्टी अपने उसूलों से भटक गई है, उसे अंदरूनी लड़ाई का सामना करना ही पड़ता है। यहां तक घ्कि जिस तथाकथित हाईकमान की वे बात करते हैं, वह भी बंटा हुआ है। कर्नाटक में उपमुख्यमंत्री वाला खेल राहुल गांधी के अपने दरबार से खेला जा रहा है। कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व मुख्यमंत्री को बौना दिखाने में लगा है।ष्रायपुर में मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री नितिन नबीन ने बिहार चुनाव में एनडीए का श्रेय छत्तीसगढ़ को भी दिया। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ के कई कार्यकर्ता वहां (बिहार) लगे हुए थे। उन सभी कार्यकर्ताओं के जरिए छत्तीसगढ़ से बिहार को जो समर्थन और भावना मिली, उसने इस जीत में भूमिका निभाई।

मध्य प्रदेश में खाद की लाइन में लगी महिला की मौत, कांग्रेस ने बोला हमला, कहा-सरकार की लापरवाही से हुई प्रायोजित हत्या

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के गुना जिले में खाद की लाइन में लगी एक आदिवासी महिला की ठंड लगने से हुई कथित मौत के मामले में कांग्रेस ने सरकार पर हमला बोला है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने महिला की मौत को सरकार की लापरवाही से प्रायोजित हत्या करार दिया है। दरअसल, गुना जिले के बमोरी के बगेरा डबल लॉक खाद वितरण केंद्र पर यूरिया लेने के लिए कतार में लगी भूरी बाई नामक महिला की रात में मौत हो गई। आदिवासी महिला की मौत पर सियासत तेज हो गई है।पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा है कि मध्यप्रदेश में खाद के लिए भटकती एक आदिवासी महिला किसान भूरी बाई की मौत कोई साधारण हादसा नहीं, बल्कि सरकार की लापरवाही से हुई प्रायोजित हत्या है। भूरी बाई तीन दिनों तक लगातार खाद की लाइन में लगी। कभी मशीन खराब मिलती, कभी अधिकारी गायब रहते, कभी सिस्टम बंद बताया जाता। उन्होंने कहा कि भूख, ठंड और थकान से उनकी हालत लगातार बिगड़ती रही, लेकिन न सरकार ने एम्बुलेंस की व्यवस्था की, न समय पर उपचार मिला। जब उनके परिवार वाले रात में उन्हें अस्पताल ले जा पाए, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। यह मृत्यु नहीं, बल्कि एक ऐसी व्यवस्था का नतीजा है।

संक्षिप्त समाचार

4–5 दिसंबर को भारत आएंगे रूसी राष्ट्रपति पुतिन, राष्ट्रपति मुर्मू स्वागत में डिनर का करेंगी आयोजन

एजेंसी

नयी दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दो दिवसीय भारत दौरे पर आने वाले हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रपति पुतिन राजकीय दौरे पर 4–5 दिसंबर को भारत आएंगे। इस दौरान वे 23वें भारत–रूस वार्षिक सम्मेलन में शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी कि इस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति पुतिन, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे। वहीं, भारत की प्रथम नागरिक और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस मौके पर रूसी राष्ट्रपति के स्वागत में डिनर का आयोजन करेंगी।

असम में बहुविवाह पर लगेगा प्रतिबंध!

एजेंसी

लखनऊ। कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने असम में बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने वाला विधेयक पारित होने पर विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि जैसे–जैसे चुनाव पास आता है, वैसे–वैसे असम के मुख्यमंत्री को काफी कुछ याद आता है। सुरेंद्र राजपूत ने आगे कहा, ष्जैसे–जैसे चुनाव पास आ रहे हैं, हेमंत बिस्वा शर्मा अपना दिमागी संतुलन खो रहे हैं। उन्हें सही इलाज की जरूरत है, जो आगरा में हो सकता है। संविधान में बहुविवाह पहले से ही बैन है, लेकिन आदिवासी समुदायों में जो है, उस पर बैन नहीं लगाया जा सकता।उन्होंने कहा कि उत्तरी राज्य हिमाचल में बहुत सी जगहों पर बहुविवाह की प्रथा चल रही है। क्या वे इसे रोक सकते हैं? असम के मुख्यमंत्री कब क्या बोलते हैं।

क्या प्रधानमंत्री यह सुनिश्चित करेंगे कि दक्षिण अफ्रीका जी20 सम्मेलन में शामिल हो : कांग्रेस

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने अमेरिका में अगले साल होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन के लिए दक्षिण अफ्रीका को आमंत्रित नहीं किए जाने संबंधी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर शुक्रवार को कहा कि क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने मित्र ट्रंप के साथ यह मुद्दा उठाएंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि दक्षिण अफ्रीका इस आयोजन में शामिल हो? पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि दक्षिण अफ्रीका और भारत एक विशेष संबंधा साझा करते हैं तथा वे मूल ब्रिक्स समूह का हिस्सा हैं जिसमें ब्राजील, रूस और चीन भी शामिल हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका को अगले वर्ष फ्लोरिडा में उनके देश की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले जी–20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण

नहीं दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा है कि दक्षिण अफ्रीका कहीं भी सदस्यता के लिए ''योग्य नहीं है। अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका से जी–20 की अध्यक्षता ग्रहण की है और वह एक दिसंबर, 2025 से 30 नवंबर, 2026 तक इस समूह का नेतृत्व करेगा। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, राष्ट्रपति ट्रंप ने घोषणा की है कि दक्षिण अफ्रीका अमेरिका में आयोजित होने वाले अगले जी20 शिखर सम्मेलन का हिस्सा नहीं होगा। दक्षिण अफरीका शुरू से ही जी20 में रहा है क्योंकि यह अफरीकी महाद्वीप में सकल घरेलू उत्पाद के आकार के आधार पर मापी जाने वाली सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। उनका कहना है, ऐसा इसलिए नहीं है क्योंकि अमेरिका उस पर कोई एहसान कर रहा है। वह वाशिंगटन डीसी में आयोजित पहले जी20 शिखर सम्मेलन में मौजूद था, जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रपति जॉर्ज डब्लू. बुश ने की थी और बाद के सभी जी20 शिखर सम्मेलनों में उसकी महत्वपूर्ण उपस्थिति रही है। रमेश के मुताबिक, अक्सर यह टिप्पणी की जाती है।

कर्नाटक: श्री कृष्ण मठ में बोले पीएम मोदी- शांति और सत्य की स्थापना के लिए अत्याचारियों का अंत आवश्यक है

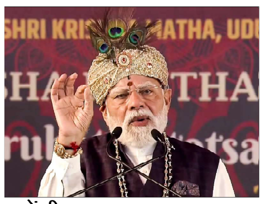

एजेंसी

उडुपी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को यहां श्री कृष्ण मठ में कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने गीता का संदेश युद्ध की भूमि पर दिया था और भगवद् गीता हमें सिखाती है कि शांति और सत्य की स्थापना के लिए अत्याचारियों का अंत भी आवश्यक है। यहां लक्ष कंठ गीता परायण (गीता के एक लाख श्लोकों के सामूहिक पाठ) में गीता के पुरुषोत्तम अध्याय के पाठ में शामिल होने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, "राष्ट्र की सुरक्षा नीति का मूल भाव यही है। हम वसुधैव कुटुंबकम भी कहते हैं और धर्मो रक्षति रक्षितः का मंत्र भी दोहराते हैं।" उन्होंने कहा, "हम लाल किले से श्री कृष्ण का करुणा का संदेश भी देते हैं और उसी प्राचीर से मिशन सुदर्शन चक्र की उद्घोषणा भी करते हैं। मिशन सुदर्शन चक्र यानी देश के औद्योगिक और सार्वजनिक क्षेत्रों की सुरक्षा की ऐसी दीवार बनाना जिसे दुश्मन भेद ना पाए। और यदि दुश्मन दुस्साहस दिखाए तो फिर हमारा सुदर्शन चक्र उसे तबाह कर दे।" प्रधानमंत्री ने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई में भी देश ने हमारा यह संकल्प देखा है। पहलगाम के आतंकी हमले में कई देशवासियों ने अपना जीवन गंवाया। इन पीड़ितों में मेरे कर्नाटक के भाई बहन भी थे।''उन्होंने पिछली केंद्र सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा,'' पहले जब ऐसे आतंकी हमले होते थे तो सरकारें हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाती थीं। लेकिन यह नया भारत है। यह ना किसी के आगे झुकता है और ना ही अपने नागरिकों की रक्षा के कर्तव्य से डिगता है। हम शांति की स्थापना करना भी जानते हैं और शांति की रक्षा करना भी जानते हैं।" उन्होंने कहा, "भगवान श्री कृष्ण की शिक्षा और उपदेश हर युग में व्यवहारिक है। गीता के शब्द सिर्फ व्यक्ति ही नहीं, राष्ट्र की नीति को भी दिशा देते हैं। भगवद् गीता में श्री कृष्ण ने लोक कल्याण के लिए कार्य करने का निर्देश दिया है। अपने पूरे जीवन में जगद्गुरु माधवाचार्य जी ने इन्हीं भावों के साथ भारत की एकता को सशक्त किया।" मोदी ने कहा, "आज सबका साथ, सबका विकास, सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय... हमारी इन नीतियों के पीछे भी भगवान श्रीकृष्ण के श्लोकों की प्रेरणा है। भगवान श्री कृष्ण गरीबों की सहायता का मंत्र देते हैं। और इसी मंत्र की प्रेरणा आयुष्मान भारत और पीएम आवास जैसी स्कीम का आधार बन जाती है।" संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण के प्रावधान वाला विधेयक पारित किए जाने के संबंध में प्रधानमंत्री ने कहा, "भगवान श्री कृष्ण हमें नारी सुरक्षा, नारी सशक्तिकरण का ज्ञान देते हैं और उसी की प्रेरणा से देश 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' का ऐतिहासिक निर्णय करता है। श्री कृष्ण हमें सभी के कल्याण की बात सिखाते हैं।

बच्चों के भविष्य को लेकर डरी हुई हैं महिलाएं... दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण बोले राहुल गांधी, कहा, संसद में हो चर्चा, बने एक्शन प्लान

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली–एनसीआर की आबोहवा लगातार खराब होती जा रही है। इस बीच लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को प्रदूषण का मुद्दा उठाया। इसे लेकर उन्होंने केंद्र सरकार से सवाल किए हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि बच्चों का दर्द सबसे गहरी चोट की तरह मांओं के दिल में उतरता है। दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ लड़ रहीं ऐसी ही कुछ साहसी मांओं से मिला– वे अपने ही नहीं, बल्कि पूरे देश के बच्चों के भविष्य को लेकर डरी हुई हैं।

उन्होंने कहा कि जहरीली हवा से छोटे–छोटे बच्चे फेफड़ों, दिल और मानसिक बीमारियों का शिकार हो रहे हैं, लेकिन इतनी भयावह राष्ट्रीय आपदा के बीच भी केंद्र सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है और समय तेजी से हमारे हाथों से फिसल रहा है। भारत को तुरंत इस पर गंभीर चर्चा और निर्णायक कार्रवाई चाहिए, ताकि हमारे बच्चे साफ हवा तक के लिए संघर्ष न करें, बल्कि एक ऐसे भारत में बड़े हों जो उन्हें सेहत, सुरक्षा और उभरने का पूरा आसमान दे सके। राहुल गांधी ने दूसरे पोस्ट में कहा कि मैं

जिस भी मां से मिलता हूं, वह मुझसे यही कहती है कि उसका बच्चा जहरीली हवा में सांस लेकर बड़ा हो रहा है। वे डरे हुए और गुस्से में हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से कहा कि हमारे सामने भारत के बच्चों के दम घुट रहे हैं। आप चुप कैसे रह सकते हैं? आपकी सरकार जल्द ही कोई प्लान क्यों नहीं तैयार करती?उन्होंने कहा कि भारत को एयर पॉल्यूशन पर तुरंत संसद में बहस और इस हेल्थ इमरजेंसी से निपटने के लिए एक सख्त लागू करने लायक एक्शन प्लान की जरूरत है। हमारे बच्चों को साफ हवा मिलनी चाहिए, बहाने और ध्यान भटकाने वाली चीजें नहीं होनी चाहिए। साथ ही लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक वीडियो भी शेयर किया।

गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों का करीबी गिरफ्तार, कपिल शर्मा के कनाडा रेस्तरां में गोलीबारी में था शामिल

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने हास्य कलाकार कपिल शर्मा के कनाडा स्थित रेस्तरां पर गोलीबारी में कथित रूप से शामिल एक संदिग्ध गैंगस्टर को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी बंधु मान सिंह कनाडा स्थित गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों का करीबी सहयोगी है और माना जाता है कि ढिल्लों विदेशों में व्यापारियों और हाई–प्रोफाइल व्यक्तियों को निशाना बनाकर वसूली करने वाले कई गिरोहों में शामिल है। जांचकर्ताओं के अनुसार सिंह, ढिल्लों से जुड़े कई लोगों के

साथ मिलकर लोकप्रिय कलाकार को डराने–धमकाने के लिए उसके रेस्तरां को निशाना बनाने की व्यापक साजिश का हिस्सा था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह गिरफ्तारी विशिष्ट गोपनीय सूचना के आधार पर की गई है।उन्होंने कहा, ''उसके पास से कारतूस सहित एक चीनी पिस्तौल बरामद की गई है।

संपादकीय

बीएलओ की आत्महत्या चिंताजनक

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर विवाद खत्म होने की जगह अब घातक होता जा रहा है। एसआईआर पर विपक्ष की आपत्ति को कुछ पल के लिए अलग रखें तो भी इस समूची प्रक्रिया में पूरे देश में अब तक 25 बीएलओ की मौतें सचमुच चिंता पैदा करने वाली हैं। हालांकि तृणमूल कांग्रेस के मुताबिक 34 मौतें हो चुकी हैं। अब आंकड़ें जो भी हों, अगर एक भी बीएलओ की मौत इस वजह से होती है कि उस पर एसआईआर करवाने का दबाव था या चुनिंदा लोगों के नाम काटने के लिए उसे ध मकाया जा रहा था, तो यह एसआईआर की प्रक्रियागत खामी की ओर इशारा करती है। जिस पर तत्काल संज्ञान लेने की जरूरत है।गुजरात, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश इन तमाम राज्यों में भाजपा सरकारें हैं जो पूरी तरह से एसआईआर के समर्थन में है, क्या इन राज्य सरकारों को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ रहा कि उनके राज्य में इस तरह अकाल मौतें हो रही हैं। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस सभी दल ऐसी मौतों पर अब चिंता जता रहे हैं। अभी गोंडा में ही एक मामला सामने आया है, जिसमें अपनी शादी से एक दिन पहले बीएलओ विपिन यादव ने आत्महत्या कर ली। विपिन यादव के परिवार का कहना है कि एसडीएम और लेखपाल एसआईआर में ओबीसी वोटरों के नाम काटने का दबाव बना रहे थे। विपिन यादव ने ऐसा करने से मना किया तो उन्हें नौकरी से निकालने और पुलिस से उठवाने की धमकी दी गई।परिवार का आरोप है कि विपिन यादव से कहा गया था कि ओबीसी वोटरों के नाम काटो वरना नौकरी खत्म कर दी जाएगी। जिसके बाद विपिन यादव ने आत्महत्या कर ली। यह मामूली आरोप नहीं है और इसकी गहन जांच की जरूरत है। कांग्रेस ने इस पर लिखा भी है कि ज्ञानेश कुमार और नरेंद्र मोदी लोकतंत्र को खत्म करने पर लगे हैं और एसआईआर उसी का औजार है।वहीं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लिखा है कि श्ओबीसी वोटरों के नाम काटो, वरना नौकरी चली जाएगी।श दबाव, धमकीश और नतीजा? आखिर में आत्महत्या। एसआईआर के नाम पर पिछड़े–दलित–वंचित–गरीब वोटरों को लिस्ट से हटाकर भाजपा अपनी मनमाफिक वोटर लिस्ट तैयार कर रही है। चुनाव आयोग लोकतंत्र की हत्या की जिम्मेदार है।ममता बनर्जी ने भी चुनाव आयोग पर इस प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए हैं और उसे भाजपा के पक्ष में काम करने के लिए घेरा है। जिस पर भाजपा नेताओं ने कहा है कि ममता बनर्जी अपनी हार के बहाने बता रही हैं। इसी तरह अखिलेश यादव भी बीएलओ की मौतों पर मुआवजे की मांग कर रहे हैं और यह भी बता रहे हैं कि किस तरह इंडिया गठबंधन की जीती हुई सीटों पर वोट काटने की तैयारी हो रही है, तो भाजपा उनकी भी आलोचना कर रही है। यह प्रवृत्ति स्वस्थ लोकतंत्र की निशानी है। विपक्ष के पास अभी कम राज्य हैं, या भाजपा की तुलना में उसका जनाधार कम है, तो इससे उसका राजनैतिक महत्व कम नहीं हो जाता। याद रहे कि लोकसभा में भाजपा खुद के बूते बहुमत हासिल नहीं कर पाई, क्योंकि विपक्ष उस पर भारी पड़ गया। अगर विपक्षी नेता किसी मुद्दे पर ध्यान दिला रहे हैं तो सरकार का काम है कि उसे पूरी ईमानदारी से सुने। सरकार की तरह चुनाव आयोग की भी जिम्मेदारी है कि वह अपनी निष्पक्षता का यकीन सारे दलों को दिला पाए। फिलहाल लगता है कि चुनाव आयोग को विपक्ष के संदेहों से कोई फर्क नहीं पड़ता।न्यायपालिका से भी यही अपेक्षित है कि वह बीएलओ की अकाल मौतों का स्वतरू संज्ञान ले। अभी सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच एसआईआर की संवैधानिक वैध ता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। बुधवार को सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, श्आधार कार्ड एक कानून की रचना है। और वैध है। इस हद तक कि यह उस पर आधारित लाभों या विशेषाधिकारों को स्वीकार करता है। कोई भी इस पर विवाद नहीं कर सकता। लेकिन क्या आधार को मतदान के अधिकार से जोड़ा जा सकता है। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या आधार रखने वाले घुसपैठियों को वोटिंग के अधिकार देना चाहिए। वैसे मुख्य न्यायाधीश को चुनाव आयोग से पहले यह पूछना चाहिए था कि बिहार में उसे कितने घुसपैठिए मिले, उनके नाम वह बताएं। इसी तरह उन्हें बीएलओ की मौत पर भी सवाल करने चाहिए थे। क्योंकि 2003 में जो देशव्यापी एसआईआर हुआ था, वह प्रक्रिया 6 माह में पूरी हुई थी। तब न तो कहीं विरोध हुआ था और न ही कोई खुदकुशी सामने आई थी। अभी चुनाव आयोग ने बीएलओ का मानदेय बढ़ाकर दो गुना कर दिया है, लेकिन इससे समस्या नहीं सुलझ रही, क्योंकि कम समय में ढेर सारा काम निपटाने का अमानवीय दबाव है। जिस पर सरकार ध्यान नहीं दे रही तो न्यायपालिका से ही उम्मीदें हैं। वैसे मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणी से साफ है कि अदालत आधार को वैध पते के रूप में मानने से इनकार कर रही है। इसलिए वो नागरिकता का भी प्रमाण नहीं हो सकता। भारत का चुनाव आयोग भी यही बात कह रहा है। लेकिन फिर आधार कार्ड की टैग लाइन मेरा आधार, मेरी पहचान को क्यों बरकरार रखा गया है।

राशिफल

मेष :– आपकी महत्वाकांक्षाए सफलता की राह पर संघर्ष हेतु प्रेरित करेंगी। अच्छी भावनाऐं आपके मकसद सफलता दिलाऐंगी। कार्य क्षेत्र में अपनें बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाऐंगे।

बृषभ :– परिश्रम द्वारा आर्थिक क्षेत्र में सफलता अर्जित करेंगे। समय बड़ा मूल्यवान है। अतः इसे व्यर्थ न गंवायें। किसी नए सम्वेदना का प्रभाव नए रिश्ते को जन्म देगा। अभिभावकों का सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन :– परम्पराओ व संस्कारों कें प्रति आस्था बढ़ेगी। निर्थक हीनभाव एवं कुछ साथ के प्रगतिशील व्यक्तियों से ईष्या भाव ठीक नही। अस्थिर मन लक्ष्य के प्रति केन्द्रित होने मे असमर्थ होगा।

कर्क :– किसी महत्वपूर्ण कार्य वश घर से दूर रहना अरुचिकर लगेगा। आपका मिलनसारिता के कारण सम्बन्धो का बिस्तार होगा। कमजोर मनोबल के कारण लक्ष्य के प्रति दृढ़ता का अभाव रहेगा।

सिंह :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में थोड़ी कठिनाई का अभास होगा। संवेदनशील मन पूरानी मर्मस्पर्शी घटनाओं से ओत–प्रात होगा। परिवारिक दायित्वों को समयानुकूल पूर्ति हेतु मन चिन्तित होगा।

कन्या :– प्रयासरत क्षेत्रों में अवरोध तथा दाम्पत्य जीवन में कष्ट संभव। परन्तु ईरीय आस्था हर परीस्थिती पर बिजय प्राप्त करेंगे। धैर्यपूर्वक महत्वपूर्ण योजनाओं को क्रियान्वित करें।

तुला :– घर–परिवार में खुशी का वातावरण रहेगा। पिछले दिनों उत्पन्न को व्यवसायिक अवरोध के हल ढूंढने में मन केद्रित होगा। किसी पुराने मित्र की मध्यस्तता से बिगड़े हुए सम्बन्धो में सुधार होगा।

वृश्चिक :– मनोवांछित सफलता न मिलने से उत्साह में कमी होगी। भौतिक चका–चौंद से प्रभावित मन अभाव की अनुभूति से दुखित होगा। धैर्यहीनता व परिवर्तनशीलता लक्ष्य से दिग्भ्रमित करेगा।

धनु :– परिजनो व मित्रों का सनिध्य से मन प्रसन्न रहेगा। कार्य–पेशे में कोई अवरोधित कार्य सार्थक होने के आसार है। मांगलिक एव सास्कृतिक आयोजनों में सम्मलित होंगे। महत्वपूर्ण कायरे में आलस्य ना करे।

मकर :– कुछ नये सम्बन्द बनेगें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद सम्भव। कर्तव्य व जिम्मेदारियों से घिरा मन अपनी कल्पनिक आकांक्षाओं से समझौता करने में सक्षम होगा। किसी नई दिशा में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ :– मन को खराब विचारो से दूर रखते हुए अच्छे कायरे में केन्द्रित करें। नई स्थितियाँ आप मे नई प्रतिभाओं का संचार करेगा। कार्यकुशलता व प्रतिभा का जौहर बिखेरेंगे।

मीन :– अपनी वाणी पर नियंतण्ररखते हुए सम्बन्धों को मधुर बनाने की चेष्टा करें। प्रतिभा व आत्मबल कुछ महत्वपूर्ण सफलताओ के प्रति आशान्वित करेगा। आर्थिक लाभ के आसार हैं।

भारत के उधम-पुरोधा : जेआरडी टाटा (स्मृति आलेख) दिवस विशेष आलेख

–सुनील कुमार महला

29 नवंबर वह दिन है, जब आधुनिक भारत की बुनियाद रखने वाली औद्योगिक हस्तियों में सर्वोपरि, महान् उधोगपति तथा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाटा मोटर्स, टाइटन इंडस्ट्रीज, वोल्टास और एअर इंडिया के संस्थापक जे. आर. डी. टाटा(जहांगीर रतनजी दादाभाई टाटा)का निधन हो गया था।वे हमारे देश के उन महान व्यक्तित्वों में से एक थे, जिन्होंने उद्योग, विमानन, विज्ञान और सामाजिक कल्याण हर क्षेत्र में देश को एक नई दिशा दी।उनको भारतीय उद्योग जगत में आधुनिकता और मानवीय मूल्यों का प्रतीक माना जाता है। भारत की पहली वाणिज्यिक एयरलाइन टाटा एयरलाइंस (आज की एयर इंडिया) की स्थापना का श्रेय भी उन्हें ही जाता है। उनकी अगुवाई में टाटा समूह ने न सिर्फ व्यापारिक सफलता हासिल की, बल्कि कर्मचारियों के हित और सामाजिक विकास को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उल्लेखनीय है कि जेआरडी टाटा को वर्ष 1992 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया था,जो किभारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है।यह पुरस्कार उन्हें उद्योग, नागरिक उड्डयन और सामाजिक कार्यों में उनके योगदान के लिए दिया गया था। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि वह भारत रत्न पाने वाले पहले उद्योगपति थे। उन्हें 1955 में पद्म भूषण भी प्रदान किया गया।उन्हें एफएआई गोल्ड एअर मेडल,यूएनओ के एविएशन सम्मान, और फ्रांस का लीजन डीश्होनूर भी मिला। यहां पाठकों को बताता चलूं कि उनका जन्म 29 जुलाई 1904 को पेरिस, फ्रांस में हुआ था तथा मृत्यु 29 नवम्बर 1993 (उम्र 89 वर्ष) जिनेवा, स्विट्ज़रलैण्ड में हुई। उनके माता–पिता का नाम रतनजी दादाभाई टाटा सुजैन श्सूनीश ब्रियरे था तथा थेल्मा टाटा उनकी जीवनसाथी थीं।विकीपीडिया पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार उनके पास फ्रांस (1904द्1928) तथा भारत (1929–1993) की नागरिकता थी। पाठकों को बताता चलूं कि फ्रेंच उनकी पहली भाषा थी, और वे भारत के उन गिने–चुने उद्योगपतियों में रहे जो फ्रेंच, अंग्रेज़ी और गुजराती तीनों भाषाएँ सहजता से बोलते थे। उनके नाम में दादाभाई शब्द उनके मामा दादाभाई नौरोजी के सम्मान में जोड़ा गया था। बहुत कम लोग जानते हैं कि वे भारतीय वायुसेना में 'आनरेरी एयर कमोडोरश के पद से सम्मानित किए गए थे, क्योंकि भारत की नागरिक उड्डयन नीति के निर्माण में उनका योगदान असाधारण था।जेआरडी टाटा का एक अनोखा शौक था–पत्र पढ़ना और लिखना।वे हर साल अपने कर्मचारियों के कुछ पत्र खुद पढ़ते और कई का जवाब हाथ से लिखकर देते थे। यह उनकी श्पीपल–फर्स्टश सोच का आधार था। उन्होंने टाटा समूह के भीतर महिलाओं के लिए मातृत्व अवकाश, कर्मियों के लिए मेडिकल सुविधाएं,कर्मचारियों के प्रॉविडेंट फंड, लाभांश का वितरण, वर्कर्सश वेलफेयर स्कीम,वर्कर्सश इंस्योरेंस,टाटा स्टील में 8 घंटे की शिफ्ट (भारत में पहली बार),उद्योग में जन–कल्याण मॉडल का नया खाका जैसी व्यवस्थाएँ उस समय शुरू कर दी थीं, जब भारत में इनकी कोई कानूनी बाध्यता भी नहीं थी।उन्होंने फ्रांस, जापान और भारत में शिक्षा पाई तथा उन्हें शुरुआत से ही तकनीक, विमानन और प्रबंधन में गहरी रुचि थी। सबसे दिलचस्प बात यह है कि जेआरडी टाटा कभी कॉलेज ग्रैजुएट नहीं थे, फिर भी वे विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रबंधन के इतने गहरे जानकार बने कि उन पर कई विदेशी विश्वविद्यालयों ने मानद उपाधियाँ प्रदान कीं। वे भारत के पहले लाइसेंस प्राप्त पायलट थे। गौरतलब है कि 1930 में भारत सरकार ने पायलट लाइसेंस जारी करने शुरू किए थे और जे. आर.डी. टाटा लाइसेंस संख्या श1श के साथ भारत के पहले पायलट बने।1932 में उन्होंने भारत की पहली निजी और वाणिज्यिक एयरलाइन टाटा एअर मेल शुरू की।इसकी पहली उड़ान कराची से मुंबई तक थी,जो स्वयं जे.आर.डी. टाटा ने उड़ाई थी।बाद में यही एयरलाइन 1946 में एअर इंडिया बनी और 1948 में सरकार ने इसे राष्ट्रीय एयरलाइन का दर्जा दिया। सरकारीकरण के बाद भी जे.आर. डी. लंबे समय तक एयर इंडिया के चेयरमैन रहे।1938 में मात्र 34 वर्ष की आयु में वे टाटा सन्स के चेयरमैन बने।उनके नेतृत्व में टाटा समूह 13 कंपनियों से बढ़कर 70 से अधिक कंपनियों का विशाल औद्योगिक परिवार बना। उनके नेतृत्व में गठित प्रमुख कंपनियों में क्रमशः टाटा मोटर्स (पहले इसे टेल्को कहा जाता था),टाटा कैमिकल्स,टाटा टी, टाटा एअरलाइंस/एअर इंडिया,टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज(टीसीएस, औपचारिक रूप से 1968 में, पर इसकी नींव उनके ही समय में रखी गई थी) आदि शामिल हैं। उनके समय में टाटा स्टील का भी विस्तार हुआ।उनकी सोच केवल लाभ कमाने तक सीमित नहीं थी, और जैसा कि ऊपर भी बता चुका हूं कि, बल्कि नेशन फर्स्ट (देश पहले) सिद्धांत उनकी हर नीति का आधार था।वे उद्योग को केवल आर्थिक मशीन नहीं बल्कि एक सामाजिक संस्था मानते थे।उनका विचार था कि श्जब आप कोई उद्योग चलाते हैं, तो आप केवल एक कंपनी नहीं चलाते, बल्कि समाज के जीवन स्तर को भी प्रभावित करते हैं।श्उन्होंने टाटा समूह को कारपोरेट सोशल रेस्पान्सिबिलिटी(सीएसआर) का अग्रदूत बनाया। वास्तव में वे वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रगति के पैरोकार थे तथा वे भारत में विज्ञान और शोध के बड़े समर्थक थे।उनके नेतृत्व में टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआइएफआर), टाटा मैमोरियल हास्पीटल,जो कि कैंसर इलाज में अग्रणी है, बने। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस के विकास में उनका विशेष योगदान रहा है तथा एनसीपीए यानी कि नेशनल सेंटर फॉर परफोर्मिंग आर्ट्स भी उनके नेतृत्व में बना है। कहना ग़लत नहीं होगा कि वे अत्यंत सरल जीवन जीते थे–न कोई चमक–दमक, न सुरक्षा तामझाम। वे सार्वजनिक स्थानों पर लाइन में लगकर टिकट खरीदने के लिए भी जाने जाते थे, और यही सादगी उन्हें असाधारण बनाती है। दूसरे शब्दों में कहें तो उनका व्यक्तिगत स्वभाव बहुत ही सरल,अत्यंत सादा जीवन, परिश्रमी और अनुशासित था।निर्णय लेते समय वे अत्यधिक दूरदर्शी थे तथा कर्मचारियों से सीधा संवाद करते थे।उनका मानना था कि श्कर्मचारी परिवार होते हैंकृमालिक नहीं, संरक्षक होते हैं।श इस संबंध में पाठकों को बताता चलूं कि एक बार की बात है कि टाटा स्टील में एक कर्मचारी की दुर्घटना में मृत्यु हो गई। कंपनी के नियमों के अनुसार उसके परिवार को कुछ सहायता मिलनी थी।जे. आर.डी. ने दस्तावेज़ देखे और पूछारू क्या उसके परिवार की जिंदगी इससे चल जाएगी? कहा गया– श्शायद मुश्किल से।श तुरंत आदेश दिया गया–श्उसकी पत्नी को स्थायी नौकरी दें और बच्चों की शिक्षा टाटा फंड से होगी।श्उस महिला ने बाद में कहा–श्मेरे बच्चों का जीवन जे.आर. डी. ने बदला, उन्होंने केवल नियम नहींकृहृदय से निर्णय लिया।श वास्तव में यह दर्शाता है कि वे मानवता के पुजारी थे। इतना ही नहीं, वे समय और गुणवत्ता के प्रति अत्यधिक सख्त थे। उनके बारे में टाटा कर्मचारियों का कहना था कि–श्जे.आर.डी. टाटा बॉस नहीं, परिवार के मुखिया की तरह थे।श्वे एक ऐसे व्यक्तित्व थे जो भारत को एक खुशहाल देश बनाना चाहते थे, इसीलिए उन्होंने एक बार यह बात कही थी कि–श्मैं नहीं चाहता कि भारत एक आर्थिक महाशक्ति बने। मैं चाहता हूँ कि भारत एक खुशहाल देश बने।श यह दिखाता है कि उनकी सोच किसी सामान्य जन से हटकर और अलग थी। वे कहा करते थे कि सामान्य लोगों में भोजन की भूख होती है, असामान्य लोगों में सेवा की भूख होती है। उद्यम की सफलता के बारे में उनका विचार था कि–श्अच्छे मानवीय संबंध न केवल महान व्यक्तिगत पुरस्कार लाते हैं बल्कि किसी भी उद्यम की सफलता के लिए आवश्यक हैं।श्उनका यह मानना था कि भौतिक दृष्टि से कोई भी सफलता या उपलब्धि तब तक सार्थक नहीं है जब तक कि वह देश और उसके लोगों की जरूरतों या हितों की पूर्ति न करे और निष्पक्ष और ईमानदार तरीकों से हासिल न की जाएध। अंत में यही कहूंगा कि जे. आर.डी. टाटा केवल उद्योगपति ही नहीं थे, बल्कि आधुनिक भारत के निर्माण में गहरा योगदान देने वाले दूरदर्शी राष्ट्र–निर्माता थेध।टाटा जैसे व्यक्तित्व से हम सभी को यह प्रेरणा और प्रोत्साहन मिलता है कि विनम्रता नेतृत्व की पहली शर्त है तथा लाभ से अधिक महत्वपूर्ण नैतिकता और इंसानियत है। हमें उनसे यह भी प्रेरणा मिलती है कि उद्योग समाज का संरक्षक होता है तथा सपनों को परिस्थिति नहीं, साहस मार्ग देता है।सच तो यह है कि वे दूरदृष्टि, अनुशासन और मानवीयता के अद्भुत संगम थे, जिन्होंने उत्कृष्टता और नैतिकता की ऐसी संस्कृति खड़ी की, जो आज भी हर किसी को प्रेरणा देती है। उनका जीवन बताता है कि सही सोच, सेवा–भाव और कर्मठता मिलकर एक व्यक्ति को युग–पुरुष बना देती है।

विकसित भारत : सुरक्षा आयाम- 60वां अखिल भारतीय पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक सम्मेलन 29-30 नवंबर 2025

भारत वैश्विक शक्ति बनने की अपनी आकांक्षा को सुरक्षा दृष्टि से भी पूरी मज़बूती के साथ आगे बढ़ानें में सक्षम

–एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

गोंदिया – वैश्विक स्तरपर भारत की आंतरिक सुरक्षा संरचना को अधिक मजबूत, अधिक तकनीक –आधारित और अधिक भविष्य–संवेदी बनाने की दिशा में 60वां अखिल भारतीय पुलिस महानिदेशक एवं महानिरीक्षक सम्मेलन एक ऐतिहासिक पड़ाव के रूप में उभर कर सामने आया है। यह सम्मेलन 28 से 30 नवंबर 2025 तक नया रायपुर स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान में आयोजित हो रहा है। इसमें देश के गृह मंत्री पहले ही शामिल हो चुके हैं, जबकि प्रधानमंत्री 29 और 30 नवंबर को अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। इतने उच्च–स्तरीय नेतृत्व की प्रत्यक्ष भागीदारी यह दर्शाती है कि भारत में सुरक्षा प्रशासन अब केवल कानून–व्यवस्था तक सीमित मुद्दा नहीं रहा,बल्कि विकसित भारत के व्यापक राष्ट्रीय दृष्टिकोण का अभिन्न और केंद्रीय घटक बन चुका है। विकसित भारतरू सुरक्षा आयाम विषय–सार इस सम्मेलन की यही भावी और बहु–आयामी दिशा दर्शाता है।इसमें वामपंथी उग्रवाद आतंकवाद–निरोध,आपदाप्रबंधन महिला सुरक्षा, साइबर–अपराध और फोरेंसिक विज्ञान एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग जैसे विषयों पर गहन विचार–विमर्श हो रहा है। इन सभी क्षेत्रों में पिछले वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, और अब आवश्यकता है कि इन उपलब्धियों को एकीकृत कर एक ऐसे सुरक्षित भारत का निर्माण किया जाए, जो वैश्विक शक्ति बनने की अपनी आकांक्षा को सुरक्षा दृष्टि से भी पूरी मजबूती के साथ आगे बढ़ा सके।यह सम्मेलन मूलतःएक ऐसे संवादात्मक मंच के रूप में विकसित हुआ है जहां राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े उच्चतम स्तर के निर्णयकर्ता पुलिस प्रशासन की वास्तविक चुनौतियों पर खुलकर चर्चा करते हैं।भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण और निरंतर परिवर्तनशील देश में सुरक्षा चुनौतियाँ स्थिर नहीं हैं; वे लगातार रूप बदलती हैं, क्षेत्र विशेष के हिसाब से अपना अलग रूप लेती हैं और समय–समय पर तकनीकी, सामाजिक और भू–राजनीतिक स्वरूपों में विकसित भी होती रहती हैं। ऐसे वातावरण में पुलिस बलों के बीच अनुभवों का साझा होना, विभिन्न राज्यों के मॉडल का तुलनात्मक अध्ययन, और केंद्र तथा राज्य सरकारों के स्तर पर एक एकीकृत राष्ट्रीय सुरक्षा दृष्टिकोण तैयार करना अत्यंत आवश्यक है। यह सम्मेलन वर्षों से इसी भूमिका को निभाता आया है,मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूँ कि 2025 का यह संस्करण अधिक महत्त्वपूर्ण इसलिए है क्योंकि भारत अब 2030 तक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में पहुँचने का लक्ष्य ले चुका है,और विकसित राष्ट्र बनने का अर्थ आर्थिक उन्नति भर नहीं, बल्कि उच्च स्तरीय घरेलू सुरक्षा संरचना भी है। साथियों बात अगर हम इस वर्ष के सम्मेलन की करें तो यह वामपंथी उग्रवाद पर विशेष ध्यान केंद्रित कर रहा है। पिछले एक दशक में वामपंथी हिंसा में उल्लेखनीय कमी आई है, लेकिन पूरी तरह से इसका उन्मूलन अभी शेष है। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि वामपंथी उग्रवाद केवल पुलिस युद्ध नहीं है;यह सामाजिक विश्वास बहाली विकास की पहुंच,स्थानीय शासन के सुदृढ़ीकरण और सामुदायिक भागीदारी से भी जुड़ा हुआ मुद्दा है।यही कारण है कि इससम्मेलन में वामपंथी गतिविधियों के मूल कारणों की समीक्षा,प्रभावित क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे के विकास, सुरक्षा बलों के बेहतर संसाधन,और स्थानीय प्रशासन के समन्वय पर गहरी चर्चा हो रही है। इसके साथ ही ड्रोन, उपग्रह निगरानी और एआई–आधारित पैटर्न विश्लेषण जैसे आधुनिक उपकरणों द्वारा उग्रवाद–निरोध को अधिक प्रभावी बनाने पर भी विचार किया जा रहा है।आतंकवाद निरोध एक ऐसा क्षेत्र है, जिसे केवल जमीनी संघर्ष के रूप में नहीं देखा जा सकता।आधुनिक आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय फंडिंग नेटवर्क, साइबर रिक्रूटमेंट, एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन और ड्रोन–आधारित हमलों जैसे नए रूपों में उभर रहा है।भारत के सामने चुनौती यह है कि वह वैश्विक आतंकवाद के इन नए चेहरों से निपटने के लिए अपने सुरक्षा संसाधनों को तकनीकी और वैचारिक दोनों स्तरों पर आधुनिक बनाए। सम्मेलन में यह चर्चा हो रही है कि आतंकवाद विरोधी तंत्र को मजबूत करने के लिए सूचना– साझाकरण तंत्र (इंटेलिजेंस शेयरिंग) को और अधिक समन्वित,तेजी से क्रियाशील और प्रौद्योगिकी– सक्षम बनाया जाए। साथ ही,कट्टरपंथ से लड़ने के लिए सामाजिक – मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। साथियों बात अगर हम इसके समानांतर,आपदा प्रबंधन भी इस सम्मेलन का एक महत्वपूर्ण विषय है इसको समझने की करें तो जिस प्रकार जलवायु परिवर्तन प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति और तीव्रता बढ़ा रहा है, उससे पुलिस और सुरक्षा प्रशासन की भूमिका और चुनौती दोनों ही विस्तृत हुई हैं। बाढ़, भूकंप, तूफान, भूस्खलन और शहरी आग जैसी घटनाओं में पुलिस बल न केवल राहत और बचाव कार्यों में प्रथम उत्तरदाता के रूप में कार्य करता है,बल्कि संचार समर्थन, कानून– व्यवस्था बनाए रखने, तथा भीड़–प्रबंधन में भी उसका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। इस सम्मेलन में यह विचार किया जा रहा है कि पूरे देश में आपदा–प्रबंधन के लिए पुलिस बलों को किस प्रकार आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण और संसाधनों से लैस किया जाए, जिससे बड़ी त्रासदियों में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सके। इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक समन्वित योजना की आवश्यकता है, जिसमें केंद्रीय पुलिस बलों और राज्य पुलिस के बीच स्पष्ट भूमिकाएँ और तकनीकी सहायता संरचनाएँ निर्धारित हों। साथियों बात अगर हम महिला सुरक्षा को वर्तमान स्थिति में समझने की करें तो, 21वीं सदी में किसी भी आधुनिक और विकसित राष्ट्र की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकताओं में से एक है।भारत में महिला सुरक्षा के लिए अनेक योजनाएँ और तंत्र पहले से संचालित हो रहे हैं, लेकिन इस सम्मेलन का उद्देश्य इन योजनाओं का मूल्यांकन करना और एक समन्वित राष्ट्रीय दृष्टिकोण तैयार करना है ताकि महिला सुरक्षा न केवल शहरी क्षेत्रों में, बल्कि ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों में भी समान रूप से सुनिश्चित हो। इसमें पुलिस की संवेदनशीलता प्रशिक्षण, महिला हेल्पलाइन सेवाओं का विस्तार, त्वरित जांच व्यवस्था, फोरेंसिक सहायता का बढ़ा हुआ उपयोग, और ऑनलाइन अपराधों से सुरक्षा जैसे पहलुओं को प्राथमिकता दी जा रही है। महिलाओं के खिलाफ अपराधों की जांच अक्सर देरी का शिकार होती है, क्योंकि पारंपरिक जांच पद्धतियाँ अत्यधिक समय लेने वाली होती हैं;इसीलिए फोरेंसिक विज्ञान और एआई–आधारित उपकरणों का उपयोग भविष्य की पुलिसिंग में अनिवार्य भूमिका निभाएगा। साथियों बात अगर हम फोरेंसिक विज्ञान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग को समझने की करें तो,यह इस सम्मेलन का सबसे नवोन्मेषी और आधुनिक पहलू है। विकसित देशों में फोरेंसिक–सक्षम पुलिसिंग अब अपराध नियंत्रण की मूलधारा बन चुकी है। भारत में भी 2023 के बाद से फोरेंसिक अनिवार्यता कानून लागू होने से बड़े अपराधों में वैज्ञानिक जांच प्रणाली को अनिवार्य किया गया है।2025 के इस सम्मेलन में यह चर्चा हो रही है कि फोरेंसिक लैब्स को वैश्विक मानकों पर कैसे विकसित किया जाए, डीएनए प्रोफाइलिंग, डिजिटल फोरेंसिक, साइबर– ट्रैकिंग और एआई–आधारित फेसियल रिकॉग्निशन जैसे क्षेत्रों में नए मानक कैसे स्थापित किए जाएं। एआई न केवल अपराध की जांच में मदद करेगा बल्कि अपराध की भविष्यवाणी, ट्रैफिक प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण और आतंकवादी गतिविधियों के डेटा पैटर्न के विश्लेषण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे पुलिस की कार्यकुशलता बढ़ेगी, जांच तेजी से पूरी होगी और न्याय व्यवस्था अधिक विश्वसनीय बनेगी।इस सम्मेलन का एक व्यापक उद्देश्य यह भी है कि पुलिस बलों के बीच परिचालन अवसंरचनात्मक और कल्याणकारी चुनौतियों पर सामूहिक चर्चा हो। पुलिस व्यवस्था आज जिस तरह के दबावों में कार्य करती है, वह किसी भी लोकतांत्रिक देश की सुरक्षा–व्यवस्था की केंद्रीय धुरी है। लंबे कार्य घंटे, संसाधनों की कमी, तकनीकी प्रशिक्षण का अभाव, आवास एवं परिवार कल्याण से जुड़ी समस्याएँ, और आधुनिक उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता न होना,ये सभी मुद्दे पुलिसिंग की गुणवत्ता पर प्रभाव डालते हैं। सम्मेलन का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य एक ऐसा वातावरण बनाना है जहां पुलिस बलों को अत्याधुनिक उपकरण, बेहतर प्रशिक्षण, मानसिक स्वास्थ्य समर्थन, और पेशेवर उन्नयन के अवसर प्राप्त हों।सम्मेलन में राष्ट्रीय स्तर पर एक दूरदर्शी सुरक्षा रोडमैप तैयार करने पर भी विचार किया जा रहा है। विकसित भारत की अवधारणा केवल आर्थिक समृद्धि से नहीं,बल्कि एक सुरक्षित समाज,सुव्यवस्थित कानून–व्यवस्था,सुचारु प्रशासन, और नागरिकों के अधिकारों की संपूर्ण सुरक्षा से ही संभव है। एक सुरक्षित भारत ही आर्थिक निवेश आकर्षित कर सकता है, वैश्विक व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण बना सकता है और सामाजिक सद्भाव को मजबूत कर सकता है। इस दृष्टि से यह सम्मेलन भविष्य के भारत की सुरक्षा संरचना को परिभाषित करने वाला एक निर्णायक अवसर है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विशेषण करें तो हम पाएंगे कि 60वां अखिल भारतीय पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक सम्मेलन भारत की आंतरिक सुरक्षा यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह सम्मेलन न केवल वर्तमान चुनौतियों की समीक्षा कर रहा है, बल्कि सुरक्षा प्रशासन के लिए एक नए युग की शुरुआत का संकेत दे रहा है, एक ऐसा युग जिसमें तकनीक, वैज्ञानिक जांच,मानव–केंद्रित पुलिसिंग, सामाजिक संवेदनशीलता, राष्ट्रीय सहयोग और वैश्विक सुरक्षा मानकों का सम्मिलन होगा। यह सम्मेलन एक सुरक्षित, सक्षम और विकसित भारत की दिशा में भारत की सुरक्षा नीति को एक समन्वित, वैज्ञानिक और दूरदर्शी रूप देने की दिशा में निर्णायक भूमिका निभा रहा है।

बिहार में नई राजनीति की आहट

–शैलेश कुमार

बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों से इतर एक नई राजनीति की आहट साफ सुनाई दे रही है। बिहार के नए मंत्रिमंडल की पहली बैठक में ही अगले 5 सालों में 1 करोड़ युवकों को नौकरी–रोजगार का फैसला हो या फिर 25 चीनी मिलें खोलने की घोषणा, साफ संकेत देते हैं कि नीतीश कुमार की सरकार इस बार ठोस आर्थिक विकास के रास्ते पर बढना चाहती है। मंत्रिपरिषद की पहली बैठक में बिहार आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस मिशन बनाने की भी घोषणा की गई। बिहार में टैक हब, डिफैंस कॉरिडोर, सैमी कंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग पार्क, मैगा टैक और फिनटैक सिटी बनने का फैसला भी किया गया। बिहार वासी इस तरह की पहल का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। सरकार के इन फैसलों पर विधानसभा चुनावों की छाप साफ दिखाई दे रही है। नीतीश कुमार के नेतृत्व में एन.डी.ए. को अच्छी–खासी जीत भले मिल गई लेकिन चुनाव अभियान के दौरान बिहार से मजदूरों के पलायन, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य के मुद्दे पर जवाब देना एन.डी.ए. के नेताओं के लिए भारी पड़ रहा था। इसमें कोई दो राय नहीं कि 'जंगल राज' के भय और लाभार्थी मतदाताओं ने एन.डी.ए. की जीत में अहम भूमिका अदा की लेकिन विपक्ष उन मुद्दों को भी जनता तक पहुंचाने में कामयाब रहा जो सालों से बिहार के विकास में रुकावट बने हुए हैं। सालों बाद यह पहला चुनाव था, जब जाति पर आर्थिक मुद्दे हावी रहे। चुनाव के नारे बदले–बदले दिखाई दिए और चुनावी नतीजों के साथ ही नई सरकार के लिए नया एजैंडा छोड़ गए। नई सरकार के सामने अब पलायन और रोजगार बड़े मुद्दे हैं। बदतर शिक्षा व्यवस्था और बीमार अस्पतालों को लोग स्वीकार नहीं करेंगे। मंत्रिमंडल के फैसले साफ संकेत देते हैं कि सरकार ने इन संकेतों को समझ लिया है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि लाभार्थी समूह को लुभाने पर खजाना खाली कर चुकी सरकार अब अपनी नई योजनाओं के लिए पैसा कहां से जुटाएगी। बिहार के सामने फिलहाल एक ही रास्ता दिखाई देता है, केंद्र सरकार से मदद। क्या केंद्र इतनी उदारता दिखाएगा? आजादी के बाद से बिहार की राजनीति कांग्रेस और समाजवादी पाध्टयों के इर्द–गिर्द घूमती रही है। लालू यादव और नीतीश कुमार समाजवादी पाटियों के दो धड़े ही हैं जिनकी जमीन जय प्रकाश नारायण, कर्पूरी ठाकुर और डा. राम मनोहर लोहिया के विचारों पर टिकी है। नब्बे के दशक के बाद ङ्क्षहदी पट्टी पर ध ीरे–धीरे भाजपा का भगवा रंग छा गया लेकिन बिहार में उनकी सफलता नीतीश कुमार की बैसाखी पर ही टिकी रही। कम से कम वैचारिक स्तर पर तीसरी शक्ति के रूप में प्रशांत किशोर और उनकी जन सुराज पार्टी के उदय ने भविष्य की राजनीति को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। सामाजिक न्याय की दो शक्तियों में बंटी हुई थी। एक खेमा अधिक उग्र और आक्रामक था, जिसका नेतृत्व पहले लालू प्रसाद यादव ने किया और अब तेजस्वी यादव कर रहे हैं। इस दौर में यादव जैसे अपेक्षाकृत समृद्ध पिछड़े वर्ग ने अल्पसंख्यकों के साथ मिलकर संसाध ानों पर सवर्ण वर्चस्व को चुनौती दी। दूसरा खेमा उदार और समावेशी था, जिसका नेतृत्व नीतीश कुमार ने किया। नीतीश ने ही इसे अति पिछड़ा और अति दलित का नाम दिया। यह धड़ा सवर्ण को साथ लेकर चलते हुए भी सामाजिक न्याय के रास्ते पर ही आगे बढ़ा। लेकिन राज्य में औद्योगिक विकास के अभाव ने लोगों को वास्तविक सामाजिक न्याय से दूर रखा। गुजरात या राजस्थान (मारवाड़) की तरह आम बिहारी खुध्द उद्योग–धंधा शुरू करने की स्वाभाविक प्रवृत्ति नहीं रखते। उन्हें नौकरी चाहिए–सरकारी या कम से कम प्राइवेट।

बसन्तकुंज योजना में मेट्रो डिपो के लिए चिन्हित की गयी 40 एकड़ जमीन

– यूपीएमआरसी ने योजना में डिपो के निर्माण के लिए एलडीए को पत्र लिखकर मांगी थी जमीन

– एलडीए ने पैमाइश व सर्वे का कार्य किया पूरा, योजना के सेक्टर–ए के दक्षिणी भाग में तलाशी गयी भूमि

लखनऊ ब्यूरो

लखनऊ। मेट्रो के ईस्ट–वेस्ट कॉरिडोर का डिपो बसन्तकुंज योजना में बनेगा। इसके लिए लखनऊ विकास प्राधिकरण ने योजना के सेक्टर–ए में लगभग 40 एकड़ जमीन चिन्हित कर ली है। एलडीए जल्द ही अन्य औपचारिकताएं पूरी करके जमीन का ब्योरा यूपीएमआरसी को सौंपेगा। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि यूपी मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने 13 अगस्त, 2025 को पत्र भेजा था। जिसमें लखनऊ मेट्रो ईस्ट–वेस्ट कॉरिडोर के डिपो के लिए हरदाई रोड पर जमीन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था। इस क्रम में बसन्तकुंज योजना में भूमि की पैमाइश व सर्वे का कार्य कराया गया। इसमें बसन्तकुंज योजना के सेक्टर–ए के दक्षिणी भाग में लगभग 40 एकड़ भूमि चिन्हित की गयी है। उक्त भूमि 60 मीटर व 30 मीटर चौड़े मार्ग पर स्थित है, जिसमें मछली मंडी की भूमि को भी शामिल किया गया है। उपाध्यक्ष ने बताया कि बसन्तकुंज योजना के सेकटर–ए में लॉटरी से आवंटित किये गये 272 भूखण्डों पर आवंटियों को कब्जा दिया जाना है। मेट्रो के डिपो के लिए जमीन तलाशते समय इन सभी आवंटियों के हितों को सर्वोपरि रखा गया है। उन्होंने बताया कि सेक्टर–ए के सभी आवंटियों के भूखण्डों को यूपीएमआरसी को मेट्रो डिपो के लिए दी जाने वाली जमीन से अलग रखा गया है। ऐसे में आवंटियों की जमीन पूरी तरह सुरक्षित रहेगी और जल्द ही उन्हें उनके भूखण्डों का कब्जा प्रदान कर दिया जाएगा।

राष्ट्रपति के लखनऊ आगमन पर महापौर ने सौंपी नगर की चाभी

लखनऊ ब्यूरो

लखनऊ। देश की राष्ट्रपति आदरणीय द्रोपदी मुर्मू के लखनऊ आगमन पर शुक्रवार को चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा औपचारिक स्वागत एवं सम्मान के महत्वपूर्ण अवसर का साक्षी बना। राष्ट्रपति का स्वागत करने के लिए प्रदेश और नगर के शीर्ष जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। महापौर, सुषमा खर्कवाल ने लखनऊ की गरिमामयी परंपरा के अनुरूप राष्ट्रपति को नगर की चाभी भेंट कर उनका औपचारिक स्वागत किया। नगर की चाभी सौंपना लखनऊ की ओर से सर्वोच्च सम्मान का प्रतीक माना जाता है। इस सम्मान को ग्रहण करते हुए राष्ट्रपति ने लखनऊवासियों के प्रति अपना स्नेह एवं शुभकामनाएँ व्यक्त कीं।‍ इस अवसर पर माननीय राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री आदरणीय योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य तथा बृजेश पाठक भी उपस्थित रहे। सभी विशिष्ट अतिथियों ने संयुक्त रूप से राष्ट्रपति का स्वागत किया और उनके आगमन को प्रदेश के लिए गौरव का क्षण बताया। राष्ट्रपति का यह दौरा लखनऊ के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह न केवल शहर के सम्मान और पहचान को सुदृढ़ करता है, बल्कि प्रदेश की विकास यात्रा और सुशासन की दिशा में भी नई ऊर्जा प्रदान करता है।

राजधानी में 36 जातियों को जोड़ने का अभियान, भगवान परशुराम सेवा संस्थान ने शुरू की मुहिम

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में भगवान परशुराम सेवा संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण दीक्षित ने पीसी में संगठन के उद्देश्य और उसके कार्यों पर चर्चा की। संस्था द्वारा बताया गया कि मुख्य संरक्षक पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र के निर्देश पर सामाजिक चेतना मंच द्वारा प्रदेश स्तर पर अभियान शुरू किया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण दीक्षित ने बताया कि भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए आवश्यक है कि सभी धर्म ,पंथ ,जाति के लोग आपसी सौहार्द से रहें। राष्ट्र प्रेम और समरसता की भावना से साथ आगे आएँ। समाज के विभिन्न वर्ग मानव शरीर के अलग अलग अंगों की तरह हैं। अगर एक अंग दुर्लभ हो जाए तो पूरा शरीर प्रभावित होता है। इसलिए प्रत्येक समाज का उत्थान और पारस्परिक सहयोग अनिवार्य है।

भारतीय स्टेट बैंक पेंशनर्स एसोसिएशन के चुनाव संपन्न

सदस्यों की समस्याओं को दूर करना हमारी पहली प्राथमिकता– अतुल स्वरूप

हमें सदस्यों के हितों के लिए कितना भी संघर्ष करना पड़े, करते रहेंगे– के के सिंह

लखनऊ ब्यूरो

लखनऊ। भारतीय स्टेट बैंक पेंशनर्स एसोसिएशन, लखनऊ मंडल एवं लखनऊ अंचल के पदाधिकारियों का चुनाव आज रोहित कुमार, मुख्य चुनाव अधिकारी द्वारा सम्पन्न कराया गया, जिसमें निम्न पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया। मंडल समिति में दिनेश चंद्रा (अध्यक्ष), अतुल स्वरूप (महासचिव), प्रदीप मेहरोत्रा एवं विनोद कुमार अवस्थी (उपाध्यक्ष), के के सिंह (संयुक्त महासचिव), जी सी अग्रवाल एवं अजय किशोर (उप महासचिव), अनुपम कुमार (संगठन सचिव), अनूप कुमार सिन्हा (सचिव वित्त), समर बहादुर (उपसचिव वित्त) तथा कार्यकारणी सदस्य राकेश अस्थाना एवं विमल गुप्ता को घोषित किया गया.

इसके अतिरिक्त अंचल समिति समिति में गोपाल सिंह भंडारी (अध्यक्ष), संजीव अग्रवाल (सचिव), स्वतंत्र कुमार अग्रवाल (उपाध्यक्ष), मुकेश मेहरोत्रा (उपसचिव), आनंद अस्थाना (सहायक सचिव वित्त) तथा अंचल कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण गौतम व राजेश श्रीवास्तव को निर्विरोध विजयी घोषित किया गया. इस अवसर पर नवनिर्वाचित महासचिव अतुल स्वरूप ने कहा– सदस्यों की समस्याओं को दूर करना हमारी पहली प्राथमिकता है. सभा को संबोधित करते हुए संगठन सचिव के. के. सिंह ने कहा– हमें सदस्यों के हितों के लिए कितना भी संघर्ष करना पड़े हम करते रहेंगे. सभी सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी और संगठन को सशक्त बनाने का आवाहन किया।

देव के किरदार ने मुझे अपने पेरेंट्स के और करीब कर दिया : अभिषेक शर्मा

संवाददाता

लखनऊ। लोकप्रिय शो 'वसुधा' आज भारतीय टेलीविजन पर सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले शोज में शामिल है। इस शो में सिर्फ दर्शक ही नहीं, कई बार कलाकार भी कहानी से उतनी ही गहराई से जुड़ जाते हैं। हाल ही में देवांश की भूमिका निभा रहे अभिषेक शर्मा ने सेट पर एक ऐसा पल महसूस किया जो कैमरे के परे जाकर उन पर असर छोड़ गया। इस शो में चल रहे ट्रैक में तनाव बढ़ता जा रहा है। चंद्रिका का गुस्सा इस कदर बढ़ गया है कि देव के सामने आने पर भी वो उसे अनदेखा कर देती है। देव उसे शांत करने की कोशिश करता है, लेकिन उसकी बात का कोई असर नहीं होता।

उधर, वसुधा को होटल में अपमान का सामना करना पड़ता है जब चौहान ग्रुप अचानक उसकी बुकिंग रद्द कर देता है और उसे कमरा खाली करना पड़ता है। यहां बता दें कि 'वसुधा', रोज रात 9.30 बजे जी टीवी पर प्रसारित है। इस अनुभव के बारे में बताते हुए अभिषेक ने कहा, ''एक सीन था जिसमें देव चंद्रिका के सामने टूट जाता है और उससे पूछता है कि वो उससे बात क्यों नहीं कर रही। यह सीन तो बहुत भावुक तरह से लिखा गया था, लेकिन मुझे उम्मीद नहीं थी कि यह मुझे निजी तौर पर छू जाएगा। टेक के बाद मैं अपने कमरे में गया और सचमुच रो पड़ा। पैक–अप होते ही मैंने सबसे पहले अपने माता–पिता को फोन किया और मैं ऐसा बहुत कम करता हूं। उसी पल समझ आया कि देव का सफर कहीं न कहीं मुझ पर भी असर डाल रहा है।''

यूपी में आधा दर्जन बीएसए का तबादला

लखनऊ संभालेंगे विपिन कुमार और बाराबंकी नवीन पाठक

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग में कल देर शाम बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल किया गया। लखनऊ, बाराबंकी समेत चार जिलों में नए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी तैनात कर दिए गए। इन जिलों के बीएसए की पदोन्नति के बाद विभिन्न स्थानों पर भेजे जाने के चलते यह नियुक्तियां खाली पदों पर की गईं। संयुक्त सचिव बेसिक शिक्षा वेद प्रकाश राय द्वारा जारी आदेश के मुताबिक नए तैनात अधिकारियों को तुरंत कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश हैं। इन पदों पर प्रभारी अधिकारी दैनिक कार्य देख रहे थे।लखनऊ में विपिन कुमार को नया बीएसए बनाया गया है। उनका ट्रांसफर लखनऊ के भीतर ही किया गया है। बाराबंकी में नवीन कुमार पाठक को तैनाती दी गई है, जिन्हें वाराणसी से बाराबंकी भेजा गया है। गोंडा में अमित कुमार सिंह को नया बीएसए नियुक्त किया गया है। वे देवरिया से गोंडा पहुंचे हैं।गोरखपुर जिले में धीरेन्द्र त्रिपाठी को नया बीएसए बनाया गया है। उन्हें संतकबीरनगर से गोरखपुर भेजा गया है। हरदोई जिला अब डॉ. अजित सिंह के जिम्मे होगा, जिन्हें प्रयागराज से हरदोई भेजा गया है। पीलीभीत में रोशनी को नए बीएसए के रूप में तैनात किया गया है।

संक्षिप्त

ई–रिक्शा सवार 7 लोग घायल, रॉन्ग साइड से आई कार ने मारी जोरदार टक्कर

संवाददाता

लखनऊ। रहीमाबाद में बृहस्पतिवार देर रात एक तेज रफ्तार कार ने ई–रिक्शा को टक्कर मार दी। इस हादसे में शादी समारोह से लौट रहे ई–रिक्शा मालिक, चालक सहित सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। यह घटना रहीमाबाद बॉर्डर के पास हुई। रॉन्ग साइड से आ रही कार (यूपी 32 पी एच 2779) ने ई–रिक्शा को जोरदार टक्कर मारी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ई–रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में ई–रिक्शा मालिक अखिलेश, चालक रवि कुमार, और सवारी विमल, गुड्डी गौतम पत्नी जगन्नाथ, उर्मिला पत्नी ऋषि, रेखा पत्नी सरोज कुमार, तथा रामावती पत्नी पृथ्वी पाल शामिल हैं। ये सभी रहीमाबाद थाना क्षेत्र के भतोइया निवासी हैं। रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने तुरंत घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में विमल की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया, जहां उनका इलाज जारी है। इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि घायलों द्वारा तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पेपर देने जा रहे छात्र की सड़क हादसे में मौत

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मड़ियांव इलाके में पेपर देने जा रहे छात्र की सड़क हादसे में मौत हो गई। पारिवारिक जनों को घर से निकलने के 10 मिनट बाद ही हादसे की सूचना मिली। मौके पर पहुंचे परिजनों ने देखा तो छात्र खून से सना मिला था। परिजन उसे ट्रॉमा सेंटर ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। फैजुल्लागंज निवासी शरद मिश्रा ने बताया उनका भाई अंजनी कुमार मिश्रा बीए थर्ड ईयर का छात्र था। वो मुमताज इंटर कॉलेज में पेपर देने जा रहा था। सुबह 8.00 बजे घर से निकला था। इस दौरान 8.10 बजे कॉल आई और बताया कि भाई का एक्सीडेंट हो गया है। मौके पर पहुंचे तो देखा वह खून से सना सड़क किनारे पड़ा हुआ था। एंबुलेंस से उसको ट्रॉमा सेंटर ले गए। जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। भाई शरद ने बताया अंजनी बीए थर्ड ईयर का आखिरी पेपर देने जा रहा था। उसके बाद उसने एलएलबी करने की इच्छा जाहिर की थी। उसके लिए कॉलेज भी देख रहे थे। पढ़ाई में अच्छा होने के चलते हम लोगों को उस पर बहुत भरोसा भी था। अंजनी की मां मंजू मिश्रा की मौत 2016 में हो गई थी। परिवार में बड़ा भाई शिवम और पिता श्याम कुमार मिश्रा हैं।

खाना बनाते समय सिलेंडर फटा, घर में लगी आग

संवाददाता

लखनऊ। बहराइच जिले के बौंडी इलाके में स्थित डोकरी गांव में शुक्रवार सुबह खाना बनाते समय एक एलपीजी सिलेंडर फट गया। इस हादसे में एक ग्रामीण के घर में आग लग गई, जिससे करीब 50 हजार रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ। हालांकि, घर की महिलाएं समय रहते बाहर निकल गईं, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। यह घटना डोकरी गांव निवासी बेनी वर्मा के घर पर सुबह करीब आठ बजे हुई। घर की महिलाएं गैस चूल्हे पर खाना बना रही थीं, तभी सिलेंडर में लीकेज के कारण आग लग गई। आग देखकर महिलाएं तुरंत शोर मचाते हुए घर से बाहर भागीं। इसी दौरान सिलेंडर में जोरदार विस्फोट हो गया। विस्फोट के बाद आग तेजी से पूरे मकान में फैल गई। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तुरंत बौंडी पुलिस को सूचना दी। ग्रामीणों ने एकजुट होकर करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। अग्निकांड में घर का सामान जलकर खाक हो गया, जिससे लगभग 50 हजार रुपये का नुकसान आंका गया है।

एसआईआरः भाजपा ने सपा पर लगाया भ्रम और भय फैलाने का आरोप, कहा, हताश और निराश हैं अखिलेश

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बीएलओ की आत्महत्याओं और मौतों पर चिंतित अखिलेश यादव ने मृतकों के परिवार को 2–2 लाख रुपये देने की घोषणा की है। अखिलेश यादव के इस कदम की कड़ी आलोचना करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा है कि समाजवादी पार्टी एसआईआर को लेकर भ्रम और भय फैलाने का काम कर रही है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता हरीश श्रीवास्तव ने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए यह बातें कही हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष पूरी तरह से हताश और निराश है। आम जनता का विश्वास सरकार के साथ बना हुआ है। उन्होंने ने कहा कि, बीएलओ की मौतों को लेकर जिस तरह से सपा भ्रम और भय फैलाने का काम कर रही है। बीएलओ की मौत होना दुखद है लेकिन मौत कैसे हुई इसकी जांच हो रही है। जांच के बाद जो तथ्य सामने आएँगे उसके अनुसार सरकार आर्थिक सहायता देगी। इसको लेकर अखिलेश यादव की तरफ से किसी तरह का बयान जारी करना बेहद निंदनीय है। भाजपा नेता हरीश श्रीवास्तव ने कहा कि विपक्ष भ्रम फैलाने में नाकाम रहा है। अखिलेश यादव किसको क्या दे रहे हैं यह उनकी मर्जी है। लेकिन सरकार नियम और कानून से चलती है। सरकार नियम के मुताबिक जो भी जरूरी होगा वह कदम उठाएगी। गौरतलब है कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रदेश में मृतक बीएलओ के आश्रितों को दो–दो लाख मुआवजा देने का एलान किया है। साथ ही उन्होंने चुनाव आयोग से भी अपील की है वह भी काम के तनाव में जान गंवाने वाले बीएलओ के आश्रितों को एक–एक करोड़ रुपये का मुआवजा दें। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बीएलओ पर एसआईआर का अव्यवहारिक लक्ष्य देकर जो मानसिक दबाव बनाया जा रहा है।

मुजफ्फरनगर के बच्चों की पूरी जिम्मेदारी मेरी- कपिल देव

योगी सरकार युवा नेतृत्व को दे रही नई दिशा

34,500 प्रतिभागियों वाली नेशनल जम्बूरी में मुजफ्फरनगर दल ने बढ़ाया यूपी का मान

संवाददाता

लखनऊ। 19वीं नेशनल जम्बूरी में भाग लेने के लिए गृह जनपद मुजफ्फरनगर से पहुंचे स्काउट्स एवं गाइड्स दल ने शुक्रवार को लखनऊ स्थित आवास पर मंत्री कपिल देव अग्रवाल से भेंट की, जहां मंत्री ने स्वयं बच्चों का उत्साहवर्धन कर उनके मनोबल को नई ऊर्जा दी।मुजफ्फरनगर से आए स्काउट्स–गाइड्स और स्टाफ के रुकने–ठहरने, भोजन एवं संपूर्ण सुरक्षा की व्यक्तिगत जिम्मेदारी स्वयं प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल ने ली है। पूरा दल 22 नवंबर से 30 नवंबर तक मंत्री आवास पर रुका है, जिसकी व्यवस्था मंत्री ने की है। कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि ये बच्चे मुजफ्फरनगर के हैं, इनकी जिम्मेदारी भी मेरी है। इनकी सुरक्षा, सुविधा और व्यवस्था मेरा कर्तव्य है। उन्होंने स्काउट्स–गाइड्स की प्रशंसा करते हुए कहा कि स्काउट्स–गाइड्स देश के सबसेअनुशासित, संस्कारित और सेवा–भाव से प्रेरित युवा होते हैं।

योगी सरकार इन्हें राष्ट्र निर्माण के महत्वपूर्ण स्तंभ मानती है, क्योंकि यही युवा भारत का भविष्य और उत्तर प्रदेश की नई ऊर्जा है। नेशनल जम्बूरी में 4 देशों के 34,500 स्काउट्स एवं गाइड्स प्रतिभाग कर रहे हैं। योगी सरकार द्वारा युवा कौशल, नेतृत्व विकास और चरित्र निर्माण को गति देने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बीच मुजफ्फरनगर का दल अनुशासन, ऊर्जा और सहभागिता के उच्च मानकों के साथ विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा ले रहा है। नेशनल जम्बूरी के आज के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि हैं। इस अवसर को लेकर सभी प्रतिभागियों में विशेष उत्साह और गर्व की भावना है।

लखनऊ में पहली बार सफलतापूर्वक आयोजित हुआ एथराइज चौंपियनशिप 2025

संवाददाता

लखनऊ। आज 28 नवम्बर 2025 को लखनऊ में स्कूल स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए एक भव्य एतलेटिक चौम्पियनशिप का आयोजन किया गया। 150 से अधिक विद्यालयों के 2,000 से अधिक विद्यार्थियों ने इसमें भाग लेकर न केवल अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, बल्कि शहर की उभरती खेल संस्कृति को भी सशक्त संदेश दिया। यह आयोजन 35 बटालियन पीएसी, महानगर स्थित आधुनिक 8–लेन सिंथेटिक ट्रैक पर सम्पन्न हुआ, जिसने प्रतिभागियों को राष्ट्रीय स्तर की उच्च गुणवत्ता वाली खेल सुविधाएँ प्रदान करी। इस प्रतियोगिता का संचालन लखनऊ एथलेटिक्स एसोसिएशन द्वारा किया गया। इस आयोजन के हर चरण में तकनीकी सटीकता, खिलाड़ियों की सुरक्षा, तथा निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षित अधिकारियों और स्वयंसेवकों की टीम तैनात रही। इस सुव्यवस्थित प्रयास ने सभी प्रतिभागियों, अभिभावकों और विद्यालयों के बीच विश्वास और उत्साह का वातावरण निर्मित किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को विभिन्न आयु वर्गों के अनुरूप अनेक प्रकार की एथलेटिक्स स्पर्धाओं में भाग लेने का अवसर मिला। इनमें स्प्रिंट दौड़, रिले, मध्यम दूरी की दौड़, लंबी कूद, गोला फेंक, भाला फेंक तथा कई अन्य फील्ड प्रतियोगिताएँ शामिल रहीं। प्रत्येक स्पर्धा में बच्चों ने अनुशासन, ऊर्जा और खेल के प्रति समर्पण का उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जी एस नवीन कुमार , सचिव – सिंचाई विभाग उतर प्रदेश सरकार ने अपने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि "खेल हमें अनुशासन सिखाते हैं, और अनुशासन ही बेहतर नागरिक तथा बेहतर समाज निर्माण का आधार है। विद्यालय स्तर पर ऐसे आयोजनों से बच्चों में आत्मविश्वास, एकाग्रता और स्वस्थ जीवनशैली की प्रेरणा उत्पन्न होती है।"

उनके संबोधन ने विद्यार्थियों और उपस्थित अभिभावकों को खेल के व्यापक सामाजिक महत्व से भी अवगत कराया। कार्यक्रम का सबसे उत्साहजनक क्षण 650 से अधिक पदकों का वितरण रहा, जिसने न केवल विजेताओं के प्रदर्शन को सम्मानित किया, बल्कि उन सभी प्रतिभागियों के प्रयास और लगन का भी सम्मान किया जो मैदान में पूरे समर्पण के साथ उतरे। यह दृश्य विद्यालयों, परिवारों और छात्रों के लिए गर्व और प्रेरणा का क्षण बन गया। इस आयोजन में विद्यालयों के प्रधानाचार्य, वरिष्ठ प्रशिक्षक, खेल संगठनों के प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। सभी ने इस पहल को शहर में खेलों के आधारभूत ढाँचे को मजबूत करने और बच्चों को पेशेवर अनुभव उपलब्ध कराने की दिशा में एक सार्थक कदम बताया। यह भी माना गया कि इस प्रकार के आयोजन भविष्य में और अधिक बच्चों को खेलों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।एथराइज के बारे में एथराइज भारत में जमीनी स्तर पर खेल संरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में कार्य करने वाला एक समेकित खेल मंच है, जिसका उद्देश्य विद्यालयों, प्रशिक्षकों और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है।

ऑपरेशन सिंदूर में इसरो का बड़ा योगदान रहा, महर्षि यूनिवर्सिटी के 6वें दीक्षांत समारोह में बोले वैज्ञानिक

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ की महर्षि यूनिवर्सिटी का छठवां दीक्षांत समारोह मनाया गया। अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. संजीव मिश्रा इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। इसरो के वैज्ञानिक अनिल कुमार गेस्ट ऑफ ऑनर रहे। दीक्षांत समारोह में कुल 2455 स्टूडेंट्स को उपाधि मिली। मुख्य अतिथि प्रो. संजीव मिश्रा ने कहा इंजीनियरिंग प्रोफेशन में मेडिकल से ज्यादा ऑप्शन मिलते हैं। आमतौर पर मेडिकल में इतने ज्यादा ऑप्शन नहीं रहते हैं, लेकिन हेल्थकेयर सेक्टर के 70: डिवाइस भारत विदेशों से मंगाता है। इस क्षेत्र में इनोवेशन का बहुत स्कोप है। आज के युवा यदि इस क्षेत्र में काम करेंगे, तो निश्चित ही सफलता मिलेगी। इसरो–टेलीमेट्री ट्रेकिंग कमांड नेटवर्क के निदेशक वैज्ञानिक अनिल कुमार ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर में इसरो का बड़ा योगदान रहा है। जो सैटेलाइट अमेरिका का छौ। 12 हजार करोड़ रुपए खर्च कर बनाता है, उसे इसरो ने महज एक हजार करोड़ रुपए खर्च कर बना दिया। अनिल कुमार ने कहा आज अगर इंटरनेट थोड़ी देर के लिए बंद हो जाएगा, तो बड़ी समस्या खड़ी हो जाती है। नेपाल का प्रोटेस्ट भी इसी कारण से हुआ है। ट्रेन और फ्लाइट से लेकर तेल और खाना का ट्रांसपोर्ट रुक जाएगा। इसरो में युवाओं के लिए बहुत करियर ऑप्शन है। ये सबसे ज्यादा सैलरी देती है। सेंट्रल गवर्नमेंट से 40% ज्यादा सैलरी पैकेज है। 1962 में एक सोच से इसकी शुरुआत हुई। 1969 में इसकी स्थापना महान वैज्ञानिक साराभाई की अगुआई में हुई।

फतेहपुर के लेखपाल सुधीर की मौत पर भड़का लेखपाल संघ हड़ताल पर गया, दिया ज्ञापन

बृजेश चतुर्वेदी

कन्नौज। तहसील व जनपदों में अधिकारियों के बदलते व्यवहार एवं संवेदनहीनता व संवाद हीनता के परिणाम स्वरूप जनपद फतेहपुर में सुधीर कुमार लेखपाल की हृदय विदारक मौत को लेकर पूरे उत्तर प्रदेश के लेखपाल आज आंदोलित हो उठे और सारा कामकाज छोड़कर धरने पर बैठ गए। दिन भर चले धरने और जोरदार प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री को सम्बोधित एक ज्ञापन में लेखपाल संघ ने कई महत्वपूर्ण विंदु उठाये है। संघ का कहना है कि जनपद फतेहपुर में कार्यरत 2024 बैच के लेखपाल सुधीर कुमार की शादी 26 नवंबर 2025 को नियत थी। बह छुटटी के लिए अधिकारियों से लगातार निवेदन कर रहा था किन्तु तहसील अधिकारियों द्वारा एस०आई०आर डयूटी के नाम पर उसे छुटटी नहीं दी गई। शादी की व्यवस्ता के कारण दिनांक 22 नवंबर 2025 को सुधीर लेखपाल के एस०आई०आर० की बैठक में उपस्थित न होने के कारण, ई०आर०ओ० संजय कुमार सक्सेना द्वारा निलंबित करवा दिया गया था। 25 नवंबर की सुबह 6.30 बजे डिप्टी कलेक्टर संजय कुमार सक्सेना एवं नायब तहसीलदार के निर्देश पर राजस्व निरीक्षक शिवराम लेखपाल सुधीर कुमार के घर पहुंचे और कहा कि एस०डी०एम साहब ने कहा है कि एसआईआर एव अन्य कार्य पूरा कर दे अथवा पैसे देकर किसी अन्य से करवा दे नहीं तो अभी तो निलम्वन हुआ है फिर सेवा समाप्त कर दी जाएगी। आए दिन की फटकार, शादी के लिए छुटटी न मिलने और निलम्बन के कारण पहले से ही तनाव/डिप्रेशन में चल रहा सुधीर लेखपाल वर्खास्तगी की धमकी सुन कर अधिक डिप्रेशन/तनाव में आत्म हत्या जैसा आवंछित/अनपेक्षित कदम उठा बैठा और एक साथ दो घर उजड गये। उक्त घटना आत्म हत्या नही अपितु असंवेदनशीलता द्वारा कारित हत्या प्रतीत होती है। मृतक लेखपाल की बहन द्वारा एफ आई आर दर्ज कराने हेतु प्रार्थना पत्र दिए जाने एवं तहसील जनपद के लेखपालों के अनुरोध के बावजूद 30 घण्टे तक एफ०आई०आर० दर्ज नहीं की गयी। परिजनो द्वारा सम्बन्धित एस०डी०एम० व अन्य आरोपियों के विरूद्ध एफ०आई०आर० दर्ज न करने पर शव का अन्तिम संस्कार करने से मना कर दिया गया। 26 नवम्बर को शव उठाने के लिये प्रशासन द्वारा षडयंत्र पूर्वक परिजनों की तहरीर बदलवाकर एफ०आई०आर० दर्ज करा दी गयी। एफ०आई०आर० में मुख्य आरोपी संजय कुमार सक्सेना,

पी०सी०एस० का नाम शामिल न करके केवल राजस्व निरीक्षक के खिलाफ नामजद रिपोर्ट लिखवा दी गयी। प्रशासन द्वारा कपट पूर्वक कैस को कमजोर करने का खेल किया जा रहा है। इस घटनाक्रम से प्रदेश भर के समस्त लेखपालों में आक्रोश एवं भय का महौल है तथा मृतक परिवार के परिजन आहत हैं। संघ ने कहा है लेखपाल अनुशासित एवं आज्ञाकारी कर्मठ कर्मचारी होने के कारण तहसील एवं जनपद के अधिकारियों द्वारा लेखपाल के विभागीय कार्यों के अतिरिक्त अन्य विभागों/अन्य कर्मचारियों से संबंधित कार्य भी आज ही और अभी सम्पन्न कराने का अव्यवहारिक दवाव लेखपालों पर डालने की प्रवृति वढ़ती जा रही है। अन्य विभाग/कर्मचारियों से सम्वन्धित कार्य पूरा कराने हेतु जिला अधिकारी एवं उपजिलाधिकारी अथवा सम्बंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा संवधित विभाग/जिम्मेदार कर्मचारियों की समीक्षा नही की जाती अपितु जब बहुत कम समय रहता है तब लेखपालों पर उसे पूरा करने का दबाव बनाया जाता है, जिसके लिये अधिकारी लेखपालों के साथ सार्वजनिक रूप से डांट, फटकार, दुर्व्यवहार से लेकर वेतन रोक, निलम्बन, प्रतिकूल प्रविष्टि, एफ०आई०आर० तक उत्पीडनात्मक कारवायी करते हैं। अधिकारियों में व्यवहारिक अथवा तकनीकी समस्या सुनने की आदत समाप्त होती जा रही है, केवल डन्डे के बल पर प्रथम रैकिंग पाने की अंधी दौड मची है। अधिकांश लेखपालगण बी०पी० शुगर, एंजाइटी, डिप्रेशन, हार्ट अटैक जैसी बीमारियों का शिकार हो रहे है। संघ ने मांग की है कि मुख्य आरोपी संजय कुमार सक्सैना, पी०सी०एस० अधिकारी का नाम अज्ञात के स्थान पर एफ०आई०आर० में नामजद किया जाये। मृतक की माता को 50 लाख रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने की कृपा मृतक के परिवार से एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। एस०आई०आर० की अन्तिम तिथि आगे बढ़ाई जाए। कम समय में काम पूरा करने का दबाव कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं जीवन को खतरे में डाल रहा है। अधीनस्थ कर्मचारियों/लेखपालों के साथ सदव्यवहार, संवेदनशीलता एवं संवाद स्थापित करने तथा उ०प्र० लेखपाल संघ पदाधिकारियों के साथ शासन के निर्देशानुसार नियमित बैठक करने के निर्देश समस्त जिला अधिकारियों एवं उपजिलाधिकारियों को निर्गत किये जायें। लेखपालों को सामान्य/ उपनिर्वाचन तथा मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान अपरिभाषित डयूटी (मौखिक/लिखित) हेतु प्रोत्साहन राशि के रूप में एक माह के वेतन के बरावर मानदेय भुगतान हेतु निर्वाचन कार्यालय के कर्मचारियों के साथ सूचीवद्ध करवाया जाए।

अखिलेश ने एस आई आर में सफाईकर्मी की ड्यूटी पर उठाए सवालः बोले - यह लोकतंत्र से धोखाधड़ी

बृजेश चतुर्वेदी

कन्नौज। भाजपाई सत्ता के इशारे पर चुनाव आयोग क्या क्या कर रहा है जनता खुद देख ले पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कन्नौज के एक मतदान केंद्र पर सफाई कर्मियों को स्पेशल समरी रिवीजन ड्यूटी पर तैनात किए जाने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने (पूर्व में ट्विटर) पर एक तस्वीर साझा करते हुए इसे लोकतंत्र के साथ धोखाधड़ी बताया। यादव ने अपनी पोस्ट में कहा, यह लोकतंत्र के साथ धोखाधड़ी है। जनता जागरूक हो, आज वोट काटा जा रहा है, कल को खेत–ज़मीन–मकान– राशन– जाति– आरक्षण से नाम काटा जाएगा। फिर बात खातों और मध्यवर्ग के लॉकर तक पहुँच जाएगी। ये देशवासियों के ख़िलाफ़ एक बहुत बड़ी साज़िश है जो अंग्रेजों की गुलामी से भी ख़राब स्थिति में ले जाएगी। ये समय जागने का है और एक–एक वोट बचाने का है। हमारी सभी विपक्षी दलों और यहाँ तक कि एनडीए के सभी सहयोगी दलों से ये अपील है कि एकजुट हों और भाजपा के इस महा–षड्यंत्र का पर्दाफाश करें। उन्होंने आगे चेतावनी दी कि यह देशवासियों के खिलाफ एक बड़ी साजिश है।

जो उन्हें अंग्रेजों की गुलामी से भी बदतर स्थिति में ले जाएगी। उन्होंने सभी विपक्षी दलों और एनडीए के सहयोगी दलों से एकजुट होकर भाजपा के इस महा–षड्यंत्र का पर्दाफाश करने की अपील की। यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा, उसके सहयोगी और सरकार की तिकड़ी व चुनाव आयोग के कुछ भ्रष्ट लोग मिलकर पूरी चुनावी व्यवस्था का अपहरण कर रहे हैं। अखिलेश यादव ने देशवासियों से अपील की कि वे इस लूट से देश को बचाएं और वोट के रूप में अपनी पहचान को भी सुरक्षित रखें, अन्यथा भविष्य में उन्हें ही पराया साबित कर दिया जाएगा। समाजवादी पार्टी के मीडिया सेल ने भी इसी तस्वीर को पर साझा किया। उन्होंने लिखा कि सफाई कर्मचारियों को बिना किसी मापदंड, मानक या प्रशिक्षण के एस आई आर ड्यूटी पर तैनात कर दिया गया है, जिससे वे अपना मूल कार्य छोड़कर एस आई आर करवा रहे हैं।

इसरो स्पेस एप्लीकेशन सेंटर के डायरेक्टर डा. निलेश एम.देसाई पहुचे मऊ

परिषदीय विद्यालयों की 1500 छात्र–छात्राओं से किया सीधा संवाद
बच्चों में विज्ञान एवं अंतरिक्ष के प्रति जिज्ञासा और अभिरुचि उत्पन्न

लखनऊ ब्यूरो

लखनऊ। स्पेस एप्लीकेशन सेंटर (इसरो) के डायरेक्टर डाक्टर निलेश एम. देसाई शुक्रवार को जनपद मऊ पहुंचे। यहां पर इन्होंने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में परिषदीय विद्यालयों की लगभग 1500 छात्र–छात्राओं से सीधा संवाद किया। बच्चों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए इसरो डायरेक्टर डाक्टर निलेश एम. देसाई ने कहा कि आज भारत को विश्व में सर्वश्रेष्ठ स्थान हासिल कराने के लिए वैज्ञानिक सोच की आवश्यकता है, जिसमें बच्चे अंतरिक्ष के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाकर देश का नाम रौशन करें। इसके पूर्व जनपद के विकास खण्ड घोसी के अंतर्गत पूर्व माध्यमिक विद्यालय धरौली पर मुख्य अतिथि एवं निदेशक के नाम से स्थापित डॉ. निलेश एम. देसाई अंतरिक्ष एवं स्टेम प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। उसके उपरांत बच्चों की अंतरिक्ष एवं इसरो की आगामी योजनाओं तथा भविष्य की संभावनाओं से संबंधित सवालों का उत्तर दिया। इस दौरान जिलाधिकारी मऊ प्रवीण मिश्र ने बताया कि मऊ का सौभाग्य है कि मऊ के बेसिक शिक्षा में अध्ययनरत बच्चों को देश के इतने बड़े वैज्ञानिक का सानिध्य प्राप्त हुआ है। वहीं मुख्य विकास अधिकारी प्रशांत नागर ने कहा कि आने वाले समय में बच्चों को और भी अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे बच्चों की वैज्ञानिक सोच विकसित हो सके। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार उपाध्याय ने जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी सहित इसरो की पूरी टीम का आभार ज्ञापित किया और विश्वास दिलाया कि जनपद मऊ के बेसिक के बच्चे भविष्य में अंतरिक्ष अनुसंधान की दिशा में उत्कृष्ट योगदान देंगे। उल्लेखनीय है कि जनपद मऊ के 7 विकास खण्डों में अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र स्थापित तथा क्रियाशील हैं, जिसमें हजारों बच्चे भ्रमण एवं कार्यशाला में शामिल होकर अंतरिक्ष विज्ञान एवं रोबोटिक्स की जानकारियों को हासिल कर रहे हैं। इसी वर्ष मई में विभिन्न विकास खण्डों में से परीक्षा एवं साक्षात्कार द्वारा चयनित 13 बच्चों ने गुजरात राज्य में स्थित इसरो के अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र का भ्रमण कर कृत्रिम उपग्रहों की बनावट तथा विभिन्न प्रकार के सेंसर के बारे में जाना एवं केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिकों से संवाद स्थापित किया था। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि दीपक सिंह (वरिष्ठ वैज्ञानिक गगनयान), फाउंडेशन से गोविंद, जिला समन्वयक समेकित शिक्षा विभाग से अमित कुमार श्रीवास्तव, अनिल चौरसिया, आलोक सिंह, अरविंद पाण्डेय ,राकेश कन्नौजिया, डॉ राम विलास भारती , सहेंद्र सिंह सहित शिक्षक, अभिभावक और छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

संक्षिप्त

PM मोदी ने डेफलिंपिक्स में खिलाड़ियों के प्रदर्शन को सराहा, भारत ने टोक्यो में जीते 20 पदक

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टोक्यो डेफलिंपिक्स में रिकॉर्ड तोड़ 20 पदक जीतने वाले भारतीय दल को बधाई दी है। भारतीय खिलाड़ियों ने इस टूर्नामेंट में कुल नौ स्वर्ण, सात रजत और चार कांस्य पदक जीतकर देश का परचम लहराया। पीएम ने अब खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की है। पीएम ने दी बधाई पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, श्टोक्यो में 25वें समर डेफलिंपिक्स 2025 में शानदार प्रदर्शन के लिए हमारे डेफलिंपियंस को बहुत–बहुत बधाई। 9 स्वर्ण सहित 20 पदक की अब तक की सबसे अच्छी मेडल टैली के साथ, हमारे एथलीटों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि पक्का इरादा और लगन से शानदार नतीजे मिल सकते हैं। हर एथलीट, कोच और सपोर्ट स्टाफ को बधाई। पूरे देश को आप सभी पर गर्व है।

बस्तर में शांति और विकास की नई दिशा : 65 लाख के इनामी 10 माओवादी आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटे

बस्तर में विश्वास, सुरक्षा और स्थायी शांति का वातावरण हो रहा है स्थापित - मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

बीएनई

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि "आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति 2025" तथा "पूना मारगेम : पुनर्वास से पुनर्जीवन" जैसी मानवीय, संवेदनशील और दूरदर्शी पहल ने बस्तर में विश्वास, सुरक्षा और स्थायी शांति का वातावरण स्थापित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि माओवादी भ्रमजाल में फँसे अनेक लोग अब हिंसा का मार्ग छोड़कर विकास और मुख्यधारा की ओर लौट रहे हैं। इसी क्रम में आज दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के वरिष्ठ सदस्य एवं 25 लाख के इनामी चौतू उर्फ श्याम दादा सहित कुल 65 लाख रुपए के इनाम वाले 10 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। मुख्यमंत्री ने इसे बदलते बस्तर और सरकार की नीतियों की सफलता का स्पष्ट प्रमाण बताया। मुख्यमंत्री साय ने यह भी कहा कि सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप सभी आत्मसमर्पित साथियों को सुरक्षित, सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन हेतु आवश्यक पुनर्वास सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी। उन्होंने उल्लेख किया कि आत्मसमर्पण की बढ़ती संख्या यह दर्शाती है कि जनता सरकार की नीतियों पर भरोसा कर रही है और बस्तर तेजी से शांति, विश्वास और विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने इसे राज्य की प्रभावी रणनीति, पुलिस प्रशासन की सतत मेहनत और जनविश्वास का सामूहिक परिणाम बताते हुए बस्तर में स्थायी शांति स्थापना की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण उपलब्धि कहा।

एशियाई बाजारों में तेजी की नई लहर; भारत बना निवेश का सबसे बड़ा दावेदार, रिपोर्ट में दावा

एजेंसी

नई दिल्ली। एशियाई शेयर बाजार इस समय आकर्षक वैल्यूएशन पर ट्रेड कर रहे हैं, और इसी माहौल में भारत मजबूत बढ़त दर्ज करने की स्थिति में है। यूबीएस की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ते कॉरपोरेट मुनाफे और बेहतर बिजनेस साइकिल के चलते भारत अपने वैश्विक समकक्षों की तुलना में अधिक आकर्षक अवसर पेश कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के बाहर, भारत को बढ़ते कॉरपोरेट मुनाफों का बड़ा फायदा मिलेगा। एशिया की क्षेत्रीय वैल्यूएशन है लुभावनी यूबीएस का आकलन है कि एशिया की क्षेत्रीय वैल्यूएशन अभी भी लुभावनी हैं, क्योंकि अधिकांश बाजार डिस्काउंट पर ट्रेड कर रहे हैं। इसके

पीछे नरम मैक्रोइकॉनॉमिक माहौल और कमजोर अमेरिकी डॉलर जैसे कारक काम कर रहे हैं। चीन के बाहर कॉरपोरेट मुनाफों में भारत को मिलेगा सबसे अधिक लाभ रिपोर्ट के मुताबिक मेनलैंड चीन के बाहर भारत बढ़ते कॉरपोरेट मुनाफों से सबसे अधिक लाभ उठाने की स्थिति में है, जबकि सिंगापुर शेयरहोल्डर वैल्यू बढ़ाने वाली पहलों से और हांगकांग कम ब्याज दरों से फायदा पा सकता है। एआई नवाचार और मजबूत खर्च एशियाई बाजारों में ला रहे रफ्तार रिपोर्ट में बताया गया है कि एआई नवाचार और मजबूत खर्च एशियाई बाजारों में जोरदार रफ्तार ला रहे हैं। साथ ही निवेशकों के लिए विविधता की तलाश में व्यापक एशियाई एक्सपोजर आकर्षक बना हुआ है, क्योंकि क्षेत्र में टेक्नोलॉजी निवेश बढ़ रहा है, कंपनियों की अर्निंग मजबूत है और वैल्यूएशन अभी भी अनुकूल हैं। यूबीएस का अनुमान है कि एपीएसी (जापान को छोड़कर) में आर्थिक वृद्धि लगभग 5: के आसपास मजबूत बनी रहेगी। हालांकि साल की शुरुआत कुछ नरम रह सकती है, लेकिन 2026 तक कम ब्याज दरों के असर से गति तेज होने की उम्मीद है। क्षेत्रीय स्तर पर प्रमुख मैक्रो थीम में टेक्नोलॉजी सप्लाई चेन का विस्तार, भारत और जापान में घरेलू खपत का उछाल और क्रेडिट ग्रोथ की वापसी शामिल है, जिससे बैंकों और उपभोक्ता आधारित क्षेत्रों में निवेश अवसर बढ़ सकते हैं। दुनिया की आर्थिक वृद्धि तेज होने की संभावना ग्लोबल स्तर पर, यूबीएस का मानना है कि दुनिया की आर्थिक वृद्धि इस साल टिकाऊ रहेगी और आगे तेज होने की संभावना है। अमेरिका में तकनीक, यूटिलिटीज और हेल्थकेयर पसंदीदा सेक्टर बताए गए हैं, जबकि यूरोप में इंडस्ट्रियल्स, टेक्नोलॉजी और यूटिलिटीज को तरजीह दी गई है। एशिया में चीन खासकर टेक सेक्टर के साथ जापान, हांगकांग, सिंगापुर और भारत रिपोर्ट की शीर्ष पसंदों में शामिल हैं। वैश्विक स्तर पर भी बैंकिंग सेक्टर के लिए आउटलक सकारात्मक रखा गया है।

यूपी भाजपा अध्यक्ष को लेकर मंडी गरम!

मनोज श्रीवास्तव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष को लेकर मंडी गरम हो गयी है। दिल्ली–लखनऊ का दांव–पेंच सतह पर आ गया है। दो दिन पूर्व यूपी के 14 जिला/महानगर इकाइयों के गठन में दागियों की छुट्टी और 5 पुराने समेत 9 नये चेहरों पर सेहरा बांधा गया है। सबसे विवादित और यूपी भाजपा का मार्केटिंग स्वरूप निखारने वाले बलशाली नेता का कृपा पात्र रहे फतेहपुर के जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल की छुट्टी कर दी गयी। बचे 14 इकाइयों की नियुक्ति नये प्रदेश अध्यक्ष के लिये छोड़ दिया गया है। देश की सबसे ज्यादा लोकसभा सीट वाले प्रदेश पर 2024 के लोकसभा चुनाव में मतदाताओं पर भाजपा की पकड़ कमजोर पड़ी है।चुनाव आयोग ने एसाईआर लागू कर भाजपा की राह भले आसान कर दिया है लेकिन जनता में पार्टी के घटते जनाधार ने पार्टी रणनीतिकारों की नींद उड़ा दिया है।यहां भाजपा को उस वर्ग को किस वर्ग का प्रतिनिधि बड़े वोट बैंक में सेंधमारी करेगा उसका मूल्यांकन उसके चयन पर मुहर लगायेगा।नये अध्यक्ष के मुद्दे पर उपेक्षित को मुख्य धारा में लाने को सतत प्रयत्नशील मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सबका साथ, सबका विकास, सबका विस्वास का मंत्र लेकर अपराजेय बने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एकमत हैं। यूपी के प्रदेश अध्यक्ष के चयन में ढुलमुल साबित हुआ केंद्रीय नेतृत्व इस प्रश्न को लेकर आज भी निरुत्तर है।इसके कारण बहुत बड़ी संख्या में हर दिन नये प्रदेश अध्यक्ष की राह देख रहे कार्यकर्ताओं के ऊर्जा का ह्रास हो रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मिली विजय के लिये उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व में यूपी के सैकड़ों नेताओं को दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रताप नड्डा के आवास पर सम्मानित किया गया। जानकारों की मानें तो यह सम्मान 2027 के विधानसभा चुनाव के पूर्व 2024 में मिली हताश से उबारने के लिये किया गया है।उत्तर प्रदेश में जिले से लेकर प्रदेश तक वर्षों से जड़े जमाये कंपनी मोड के कार्यकर्ताओं के साथ सामंजस्य बिठाना अगले प्रदेश अध्यक्ष की सबसे बड़ी चुनौती होगी। वह मोबाइल से संदेश देकर वर्चुअल का इतना आदी बन गया है कि धरातल पर ऐकचुवल से उसका सरोकार ही नहीं रह गया। मेकैनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ते समय ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में आकर प्रचारक बने यूपी के नये महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह सोशल इंजीनियरिंग को भी धरातल पर उतारने के महारथी माने जाते हैं। इसी लिये बाबुन्नमुखी हो चुकी भाजपा में वह फिर सर्वस्पर्शी नेतृत्व गढ़ने पर जोर दे रहे हैं। उनके ऐसा करने से कमर्शियल कल्चर में दक्ष स्काइलैब नेता स्वतः संगठन के अभियानों से आउट हो जा रहे हैं। भाजपा पर दबदबा रखने वाले टीम गुजरात के लोग ऐसा प्रदेश अध्यक्ष चाहते हैं जो वक्त आने पर उनके हित में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से दो–दो हाथ कर सके। पूर्वी और पश्चिमी क्षेत्रों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारकों की मजबूत समन्वय और नीचे तक कि उनकी सांगठनिक ब्यूह रचना ने टीम गुजरात के मंसूबों पर पानी फेर दिया है। कानून व्यवस्था को लेकर बुल्डोजर ने योगी की कठोर प्रशानिक छवि का निर्माण किया तो बिना भेद–भाव के अंतिम व्यक्ति, स्थान व समाज के विकास मॉडल का क्रियान्वयन उन्हें प्रगति का पुरोधा साबित किया है। देश के अधिकांश चौनलों व बहुप्रसारित अखबारों के माध्यम से टीम गुजरात यह नरेटिव गढ़ने की कोशिश करता है कि जीत हुई तो श्रेय टीम गुजरात को मिले, पराजय हो तो स्थानीय नेतृत्व की खामियों पर प्रायोजित खबरों की झड़ी लगवा देता है। हाल में सम्पन्न हुये बिहार विधानसभा चुनाव की सफलता का श्रेय कई दिन तक गृहमंत्री अमितशाह को दिया गया, जबकि 2024 में खराब टिकट वितरण कर यूपी हरवाने वाले नेता को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन देकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की घेरेबंदी करवाने में कोई कोर–कसर नहीं रखा गया। हिमांचल, कर्नाटक, झारखंड में हार का ठीकरा स्थानीय नेताओं पर थोपने वाले समीक्षक हरियाणा, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और बिहार की जीत का श्रेय टीम गुजरात को देते हुये उनकी सफलता का कई–कई दिन तक कसीदा पढ़ते रह जाते हैं।टीम गुजरात से कार्यकताओं में उतनी नाराजगी नहीं है जितनी उनके नाम पर बाहरी नेताओं को चमकाने और अपनों को नीचा दिखाने वाले एजेंटों से है। प्रदेशवार कोई न कोई एजेंट अपने अनुसार नेतृत्व को हांकता हैं। वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीत का अंतर घटने के बाद भले ही वाराणसी में भाजपा के केंद्रीय रिशिवरों की संख्या बढ़ा दी गयी है। लेकिन काशी की जनता को योगी फार्मूले से ही समाधान मिल रहा है। यूपी में भाजपा अध्यक्ष यदि टीम गुजरात द्वारा थोपा गया तो नीचे तक सांगठनिक ताने–बाने की गतिविधियों पर प्रभाव प्रभाव पड़ेगा। एक तरफ केंद्रीय अभियानों को दिन–रात जूझ कर संगठन में बूथ तक, समाज में धरातल तक लगातार पहुंचाने में सफलता का झंडा गाड़ने वाली टीम उत्साहित है। तो दूसरी ओर असमंजस से जूझ रहे प्रदेश अध्यक्ष के तेजहीन सिपहसालारों के बीच छिड़े आपसी द्वंद ने पार्टी के विस्तार की रफ्तार में बाधक बन गया है। ऐसे में इससे उबरने के लिये प्रदेश स्तर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सुझाव को टालना भारी पड़ेगा।

40 वर्षों की उपलब्धियों का जश्न : एनसीएल में धूमधाम से मन रहा 41वां स्थापना दिवस

बीएनई

सिंगरौली। शुक्रवार को सिंगरौली स्थित भारत सरकार की मिनीरत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) का 41वां स्थापना दिवस मुख्यालय सहित सभी परियोजनाओं व इकाइयों में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर एनसीएल सीएमडी, बी. साईराम ने मुख्यालय स्थित पंजरेह प्रांगण में ध्वजारोहण कर स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ किया। इस दौरान एनसीएल मुख्यालय में खनिक प्रतिमा पर माल्यार्पण और श्रम शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

पंजरेह भवन प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में एनसीएल के भूतपूर्व सीएमडी क्रमशः ए. के. दास, एस. वी. चाओजी, सुश्री शांतिलता साहू, टी. के. नाग, बी. आर. रेड्डी, पी. के. सिन्हा, एनसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) मनीष कुमार, निदेशक (वित्त) रजनीश नारायण, निदेशक (तकनीकी/संचालन) सुनील प्रसाद सिंह, निदेशक (तकनीकी /परियोजना एवं योजना), आशुतोष द्विवेदी, मुख्य सतर्कता अधिकारी, एनसीएल, अजय कुमार जायसवाल, श्रमिक संघ के जेसीसी सदस्य – सीएमएस से अजय कुमार, आरसीएसएस से लाल पुष्पराज सिंह, बीएमएस से अशोक कुमार मिश्रा, एचएमएस से अशोक कुमार पांडे, सीएमओएआई महासचिव, सर्वेश सिंह उपस्थित रहे। साथ ही मुख्यालय के महाप्रबंधकगण एवं विभागाध्यक्ष व अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे। 41वें स्थापना दिवस के अवसर पर शिरकत कर रहे एनसीएल के पूर्व नेतृत्वकर्ताओं के साथ एक संवाद सत्र का भी आयोजन किया गया जिसमें पूर्व नेतृत्वकर्ताओं ने उत्पादन, प्रेषण, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक दायित्व, कर्मचारी विकास, डिजिटल नवाचार, सतत विकास जैसे क्षेत्रों में एनसीएल की निरंतर उत्कृष्टता की सराहना करते हुए अपने पूर्व के अनुभवों को साझा किया व कंपनी के स्वर्णिम भविष्य के लिए बहुमूल्य सुझाव और शुभकामनाएँ दिए। गौरतलब है कि केंद्रीय कार्यक्रम आज सायंकाल सिंगरौली स्टेडियम में होगा, जिसमें विभिन्न संवर्गों में उत्कृष्ट क्षेत्रों और कर्मियों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी आयोजित की जाएंगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **धर्मेन्द्र सिंह** द्वारा शौर्य प्रिंटर्स, शिवपुरी कालोनी, निकट बांसमण्डी चौराहा, लखनऊ से मुद्रित तथा एमआईजी-47, सेक्टर-ई, अलीगंज, लखनऊ (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक-अंजू सिंह (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) Email-lkojunction@gmail.com. RNI NO.-UPHIN/2015/64743